सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-271
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
हमसफर ऐसा चुनो जो आपकी हर परिस्थिति के साथ खड़ा रहे।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, रविवार 05 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

छत्तीसगढ़ के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या

एक नृशंस घटना जो पत्रकारिता की चुनौतियों को उजागर करती है

मृतक पत्रकार मुकेश चंद्राकर

आरोपी फ़रार ठेकेदार सुरेश चंद्राकर

गणेश वैष्णव ।सिटी चीफ बीजापुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या ने न केवल पत्रकारिता के क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों को उजागर किया है, बल्कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले पत्रकारों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मुकेश चंद्राकर, जो 'बस्तर जंक्शन' यूट्यूब चैनल के संपादक और स्वतंत्र पत्रकार थे, 1 जनवरी की शाम से लापता थे। उनका शव ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के परिसर में बने सेप्टिक टैंक से बरामद हुआ। मुकेश चंद्राकर ने हाल ही में 120 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार की रिपोर्टिंग की थी। उन्होंने गंगालूर और हिरौली के बीच सड़क निर्माण की खामियों और गड्ढों को उजागर किया था।

धरने पर बैठे एवं प्रदर्शन कर रहे पत्रकार

उनकी रिपोर्टिंग के बाद ठेकेदार सुरेश चंद्राकर पर प्रशासनिक दबाव बढ़ा, जिससे नाराज होकर ठेकेदार ने अपने भाइयों और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर उनकी हत्या की साजिश रची। मृतक के भाई ने बताया कि मुकेश को 1 जनवरी की शाम आखिरी बार रितेश चंद्राकर के साथ देखा गया था। पुलिस ने मुकेश के फोन की आखिरी लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की, जिससे सुरेश चंद्राकर के परिसर में संदेह हुआ। पत्रकारों और पुलिस ने जब सेप्टिक टैंक को तुड़वाया, तो उसमें मुकेश का शव मिला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, मुकेश का पहले गला घोंटा गया और फिर कुल्हाड़ी से वार किया गया। पुलिस ने इस मामले में सुरेश चंद्राकर के दो भाइयों और एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है, लेकिन मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर अभी भी फरार है। पत्रकार मुकेश की हत्या के मामले में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को मुख्य आरोपी बनाया गया है। हत्या में शामिल रितेश चंद्राकर, दिनेश चंद्राकर और रामटेके को गिरफ्तार कर लिया गया है। सुरेश, जो पहले एसपीओ था, ठेकेदारी से करोड़पति बना और राजनीतिक दलों के साथ अपनी गहरी पकड़ बनाई। उसने समाज में छवि सुधारने के लिए बड़े विज्ञापन और सामाजिक कार्य किए, लेकिन हत्या के बाद फरार हो गया। उसकी बारात हेलिकॉप्टर से और विदाई बीएमडब्ल्यू कार में होने जैसे रुतबे के किस्से चर्चा में रहे। अब पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद है। मुकेश चंद्राकर बस्तर जैसे चुनौतीपूर्ण इलाके में काम करते थे, जिसे नक्सलवाद का गढ़ माना जाता है। उन्होंने अपनी पत्रकारिता के जरिए आदिवासी समुदाय की समस्याओं, प्रशासनिक भ्रष्टाचार, और स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। उनके भाई ने कहा, मुकेश रियल हीरो थे, जिन्होंने सच्चाई के लिए अपनी जान दे दी। मुकेश का जीवन संघर्षों से भरा था। उन्होंने बचपन में गैरेज में काम करते हुए पढ़ाई की और अपने भाई के साथ मिलकर पत्रकारिता शुरू की। वे रायपुर से बीजापुर तक पत्रकारों के लिए एक ठिकाना और मददगार के रूप में जाने जाते थे। मुकेश चंद्राकर की हत्या यह दर्शाती है कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक जोखिम भरा मिशन है। भ्रष्टाचार, अपराध और सत्ता की सच्चाई को उजागर करने वाले पत्रकारों को अक्सर धमकियों, हमलों और यहां तक कि हत्या का सामना करना पड़ता है। भारत में, विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में, पत्रकारों को न केवल राजनीतिक और आर्थिक ताकतों से लड़ना पड़ता है, बल्कि सामाजिक दबाव और असुरक्षा का भी सामना करना पड़ता है। बीजापुर जैसे क्षेत्रों में नक्सलवाद और भ्रष्टाचार के बीच काम करना बेहद कठिन है। मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। लेकिन यह घटना पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक गंभीर बहस को जन्म देती है। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की देश के कई पत्रकार संगठनों ने निंदा की है। इंडियन कौंसिल आफ प्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस एन विश्वकर्मा ने इस जघन्य हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे पत्रकार जगत पर हमला बताया है और इसके दोषियों को कड़ी से कड़ी बल्कि सजाए मौत देने की माँग की है। साथ ही उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा के लिये उचित व्यवस्था बनाने की केंद्र व राज्य सरकारों से माँग भी की है। उन्होंने यह भी कहा है कि संगठन इस संबंध में जल्द ही एक अभियान आरंभ करेगा। आज जब लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने के लिए निष्पक्ष पत्रकारिता की सबसे अधिक आवश्यकता है, पत्रकारों पर बढ़ते हमले न केवल लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं, बल्कि सच्चाई को दबाने की कोशिश भी कर रहे हैं। मुकेश चंद्राकर की हत्या पत्रकारिता के उन उद्देश्यों को पुन: याद दिलाती है, जहां सच्चाई को सामने लाने के लिए अपनी जान की बाजी लगानी पड़ती है। उनकी मौत केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। समाज, प्रशासन और मीडिया संस्थानों को मिलकर पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी, ताकि सच्चाई की आवाजें कभी थम न सकें।

पहाड़ों से आ रही हवा से ठंड हुई प्रचंड, फिर बरसेंगे बादल

मौसम विभाग ने आज भी जारी किया कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी में पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं ने ठंड के साथ घने कोहरे का प्रकोप बढ़ा दिया है। शनिवार को दोपहर में धूप खिलने के बाद भी कोहरे से राहत नहीं मिली। लेकिन, धूप ने कोहरे की हल्की परत को हटा दिया। ऐसे में सुबह नौ बजे तक अलग-अलग इलाकों में दृश्यता शून्य दर्ज की गई।

मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार को घने से घना कोहरा छाया रहेगा। कुछ स्थानों पर सुबह स्मॉग, हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा व धुंध रहने की संभावना है। शाम व रात में स्मॉग-धुंध का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में नया पश्चिम विक्षोभ सक्रीय होने से सोमवार को बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान आसमान में गरज के साथ बादल छाए रहेंगे। इसके बाद हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। हालांकि, इससे तापमान में कोई बड़ी गिरावट नहीं आएगी। ऐसे में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आस-पास पहुंच सकता है।

कोहरा बना आफत, 7.8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा न्यूनतम तापमान शनिवार को जब लोग सुबह सोकर उठे तो घने कोहरे ने उनका स्वागत किया। आलम यह था कि थोड़ी दूरी का भी कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। ऐसे में लोगों की दिनचर्या भी देर से शुरू हुई। हालांकि, साप्ताहिक अवकाश होने के लोगों को कोहरे में बाहर जाने से राहत मिली। सुबह नौ बजे के बाद जब हल्की धूप खिली तो आसमान से कोहरे व स्मॉग की मोटी चादर थोड़ी हटी। लेकिन, लोगों को अधिक राहत कोहरे से नहीं मिली। शाम होने के साथ ही कोहरे ने एक बार फिर अलग-अलग इलाकों को अपने आगोश में ले लिया। ऐसे में धीरे-धीरे दृश्यता फिर कम होने लगी। उधर, घने कोहरे की शुरूआत शुक्रवार शाम होने से पहले ही शुरू हो गई थी। लेकिन, जैसे ही रात के 10 बजे वैसे ही चारों तरफ घना कोहरा छाने लगा। रात 11 बजे के बाद स्थिति बिगड़ने लगी। ऐसे में वाहन चालकों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

भोपाल जेल के दिवंगत डीआईजी के परिवार की 4.68 करोड़ की संपत्ति कुर्क

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मध्य प्रदेश के भोपाल जेल के दिवंगत उप महानिरीक्षक (डीआईजी) उमेश कुमार गांधी और उनके परिवार के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत एक अंतरिम आदेश जारी कर गांधी, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के नाम पर संपत्तियां कुर्क की हैं। कुर्क की गई संपत्तियों की कुल कीमत 4.68 करोड़ रुपये बताई जा रही है। ईडी के अनुसार कुर्क की गई संपत्तियों में 20 अचल संपत्तियां शामिल हैं, जो मध्य प्रदेश के सागर, कटनी, सीहोर, भोपाल और इंदौर जिलों में स्थित हैं। इसके अतिरिक्त, चल संपत्तियां जैसे बैंक जमा, आभूषण, बीमा पॉलिसी, म्यूचुअल फंड और ह्यकिसान विकास पत्रह्व भी जब्त किए गए हैं। धनशोधन का यह मामला मध्य प्रदेश लोकायुक्त की ओर से दर्ज किया गया। ये आरोप उमेश कुमार गांधी, उनकी पत्नी अर्चना गांधी और सीहोर जिला जेल के पूर्व गार्ड अजय कुमार गांधी पर लगाए गए थे। इन पर 5.13 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

पीथमपुर में कंपनी पर पथराव पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस

भीड़ ने फोड़ दिए पुलिस की गाड़ी के कांच, महिलाओं ने जवानों पर फेंका मिर्च पावडर

इंदौर। पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के जहरीले कचरे के निष्पादन का विरोध शनिवार को तीसरे दिन भी जारी था। सुबह करीब 10 बजे तारपुरा गांव से लगी रामकी एनवायरो इंडस्ट्रीज की फैक्ट्री पर पथराव किया गया। इसमें कुछ वाहनों के कांच टूट गए। इसके बाद पुलिस ने लोगों को फैक्ट्री के पास से खदेड़ा। सुबह बड़ी संख्या में आई भीड़ ने कंपनी के गेट के सामने नारेबाजी की और पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। ग्रामीणों ने पथराव किया, तब गेट पर ज्यादा पुलिस बल तैनात नहीं था, इसलिए भीड़ ने एक पुलिस वाहन के कांच भी फोड़ डाले। महिलाएं अपनी मुट्ठी में मिर्ची पाउडर लेकर आई थीं, जिसे सुरक्षा में तैनात पुलिस जवानों पर फेंका गया। मामला बिगड़ता देख आक्रोशित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठियां भांजी और दो-तीन आंसू गैस के गोले भी फेंके। इसके बाद आक्रोशित भीड़ वापस भाग गई। इस घटना के बाद फैक्टरी परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सादी वर्दी में आसपास की बस्ती में भी पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

कचरे के निपटान की फैली थी अफवाह ग्रामीणों में यह अफवाह फैली है कि कंपनी में कचरे का निपटान शुरू हो चुका है, क्योंकि भोपाल से इंदौर तक 12 कंटेनर में 337 टन कचरा आया था, लेकिन परिसर में शनिवार को ग्रामीणों को एक कंटेनर कम नजर आया। इसके बाद ग्रामीणों ने कंपनी पर पथराव की योजना बनाई थी। फिलहाल रामकी कंपनी की तरफ आने वाले रास्तों पर पुलिस ने बेरीकेड लगा दिए है। वहीं रामकी इंडस्ट्रीज पीथमपुर के गेट पर ड्यूटीरत नायब तहसीलदार अनीता बरेठा ने बताया सभी कंटेनर हमारी कस्टडी में है, किसी भी कंटेनर को खोला नहीं गया है।

चक्काजाम करने वाले अज्ञात आरोपियों पर 3 एफआईआर पीथमपुर में शुक्रवार को बंद के दौरान हुए प्रदर्शन के सिलसिले में पुलिस ने तीन मुकदमे दर्ज किए हैं। बरदरी चौराहा, सवारियां मंदिर और आजाद चौराहे पर चक्काजाम करने वाले अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

लोगों को हो रही है सांस से जुड़ी समस्याएं, लगा आपातकाल

चीन में अब खतरा बनता जा रहा है ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस

बीजिंग। चीन में एक बार फिर कोरोनावायरस के जैसा ही एक और वायरस खतरा बनता दिख रहा है। हाल ही के दिनों में चीन से जो वायरल वीडियो सामने आए हैं, उनमें अस्पतालों के बाहर जबरदस्त भीड़ लगे देखा जा सकता है। इससे जुड़ी रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि चीन में इस वक्त संक्रमण फैलने की असल वजह ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) है। एक रिपोर्ट में हॉन्गकॉन्ग के अखबार हॉन्गकॉन्ग एफपी ने दावा किया है कि चीन में यह वायरस तेजी से फैला है और लोगों में बड़े स्तर पर सांस से जुड़ी समस्याएं दर्ज की जा रही हैं। हालांकि, फिलहाल हॉन्गकॉन्ग में इस वायरस से जुड़े मामले कम हैं। इतना ही नहीं चीन में एचएमपीवी के अलावा कुछ और वायरस के भी फैलने की खबरें हैं। इनमें इन्फ्लुएंजा ए, माइकोप्लासमा न्यूमोनिए और कोरोनावायरस के दोबारा फैलने से जुड़े दावे शामिल हैं। इसके अलावा कुछ अपुष्ट दावे हैं कि चीन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आपातकाल लगा दिया है। खासकर एचएमपीवी वायरस, जिसके लक्षण कोरोनावायरस संक्रमण के जैसे ही हैं को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी बढ़ा दी है।

खांसने-छींकने के दौरान मरीज के करीब रहने से फैलता है ह्यूमन मोटान्यूमोवायरस, जिसे एचएमपीवी के छोटे नाम से भी जाना जाता है, इंसानों की श्वसन प्रक्रिया पर प्रभाव डालने वाला वायरस है। इसकी पहली बार पहचान 2001 में हो गई थी। तब नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने इसका पता लगाया था। यह पैरामाइक्सोविरीडे परिवार का वायरस है। श्वसन संबंधी अन्य वायरस की तरह यह भी संक्रमित लोगों के खांसने-छींकने के दौरान उनके करीब रहने से फैलता है। कुछ स्टडीज में दावा किया गया है कि यह वायरस पिछले छह दशकों से दुनिया में मौजूद है। यह मुख्य तौर पर बच्चों पर असर डालता है। हालांकि, कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों और बुजुर्गों पर भी इसका प्रभाव दर्ज किया गया है। इस वायरस की वजह से लोगों को सर्दी, खांसी, बुखार, कफ की शिकायत हो सकती है।

कोरोना से अंतर बता पाना मुश्किल ज्यादा गंभीर मामलों में गला और श्वांस नली के जाम होने से लोगों के मुंह से सीटी जैसी खरखराहट भी सुनी जा सकती है। कुछ और गंभीर स्थिति में इस वायरस की वजह से लोगों को ब्रोंकियोलाइटिस (फेफड़ों में ऑक्सीजन ले जाने वाली नली में सूजन) और निमोनिया (फेफड़ों में पानी भरना) की स्थिति पैदा कर सकता है। इसके चलते संक्रमितों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ सकती है। चूंकि इसके लक्षण कोरोनावायरस संक्रमण और आम फ्लू से मिलते-जुलते हैं

एनजीटी में जनहित याचिका, उधर, सरकार कचरा जलाने के लिए हाई कोर्ट से मांगेगी समय

जबलपुर। नागरिक उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे और सामाजिक कार्यकर्ता रजत भार्गव ने यूनियन कार्बाइड कचरा निस्तारण मामले में एनजीटी भोपाल में याचिका दायर की है। यह याचिका शनिवार को दायर की गई, जिस पर शीघ्र सुनवाई की मांग की गई है। हाई कोर्ट में पूर्व से दायर जनहित याचिका पर संज्ञान आधार पर सोमवार को सुनवाई निर्धारित है। इसके साथ इंदौर बेंच में दायर याचिका को संलग्न करके विचार किया जाएगा। इधर सरकार कचरा जलाने को लेकर हाईकोर्ट से समय मांगेगी । मध्य प्रदेश सरकार हाई कोर्ट में शपथ पत्र देकर यूनियन कार्बाइड के कचरे के निस्तारण के लिए समय मांगेगी। इसके लिए जन जागरण को आधार बनाया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बताया कि हम पूरी कवायद सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार ही कर रहे हैं। हर स्तर पर संवाद किया जा रहा है ताकि किसी प्रकार के कोई भ्रम की स्थिति ना रहे। यूनियन कार्बाइड का भी 10 टन कचरा पूर्व में वहां जलाया जा चुका है और उसके जो निष्कर्ष निकलकर सामने आए थे वह सभी मानकों के अनुरूप थे तभी सुप्रीम कोर्ट ने आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे। अभी कचरा जलाने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

सरकार स्पष्ट करे कि कचरे के निस्तारण में नुकसान नहीं होगा इधर उपभोक्ता मंच के नाजपांडे ने अपनी एनजीटी की याचिका में सवाल उठाया है कि यूनियन कार्बाइड कचरे के निस्तारण में नुकसान नहीं होगा, यह सरकार स्पष्ट करे। यह भी बताए कि क्या कार्यवाही नियमानुसार हुई है? सरकार इस सिलसिले में शपथपत्र प्रस्तुत करे। वैज्ञानिक रिपोर्ट भी सार्वजनिक करे। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल इस संबंध में निर्देश जारी करें।

नागरिकों के जीवन के अधिकार का संरक्षण होना चाहिए प्रदेश सरकार कचरे के निस्तारण पर वैज्ञानिक रिपोर्ट अखबारों में प्रकाशित कर उसे सार्वजनिक करें। अधिवक्ता प्रभात यादव ने याचिकाकर्ताओं की ओर से बताया कि नागरिकों के जीवन के अधिकारों का संरक्षण होना चाहिए, इसकी गारंटी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदान की गई है।

10 लाख की ब्राउन शुगर और एमडी ड्रग्स सहित कार जब्त

ड्रग्स तस्करी में निलंबित जेल प्रहरी और महिला गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर पुलिस ने ड्रग्स तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए निलंबित जेल प्रहरी और एक महिला को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी 20 वर्षीय श्रुति निषाद को लेडी डॉन के नाम से जाना जाता है, और उसका साथी 37 वर्षीय निलंबित जेल प्रहरी दीपक यादव है। इनके पास से 20.30 ग्राम ब्राउन शुगर, 10.22 ग्राम एमडी ड्रग्स और एक होंडा अमेज कार जब्त की गई है। जब्त किए गए ड्रग्स की कीमत 10 लाख रुपए आंकी गई है। शुक्रवार शाम को क्राइम ब्रांच ने मुखबिर की सूचना पर टफ-4 रोड पर घेराबंदी कर इन्हें पकड़ा। पुलिस के अनुसार, दोनों राजस्थान से ड्रग्स लाकर इंदौर में सप्लाई करते थे।

महिला खुद भी नशे की आदी

श्रुति निषाद, जो हाई प्रोफाइल पार्टियों में ड्रग्स सप्लाई करने के साथ-साथ डांस परफॉर्म भी करती थी, खुद नशे की आदी है। उस पर पहले से मारपीट और आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। दीपक यादव, जो मॉडल विलेज कॉलोनी इंदौर का निवासी है, आलीराजपुर में जेल प्रहरी के रूप में कार्यरत था, लेकिन लंबे समय से ड्यूटी से अनुपस्थित था।

अनुकंपा नियुक्त से पाई थी नौकरी

दीपक यादव पहले देवास और इंदौर की सेंट्रल जेल में भी तैनात रह चुका है। दीपक को 2009 में अपने पिता की मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति पर जेल प्रहरी बनाया गया था। हालांकि, उस पर उसकी पत्नी ने दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद उसे निलंबित कर दिया गया था।

निलंबन के बाद मौसी के घर रहने लगा आरोपी

पुलिस ने बताया कि सस्पेंड होने के बाद दीपक अपनी मौसी के घर रहने लगा और ड्रग्स की लत का शिकार हो गया। इसी दौरान वह श्रुति के संपर्क में आया। दोनों ने मिलकर ड्रग्स तस्करी का काम शुरू किया। दीपक टोल नाकों और पुलिस चेकिंग से बचने के लिए अपने पुलिस आईडी कार्ड का इस्तेमाल करता था। उसकी गाड़ी पर ह्यपुलिसह्न लिखा हुआ था, जिससे किसी को शक नहीं होता था। वह इस बहाने राजस्थान से ड्रग्स लाकर इंदौर में सप्लाई करता था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि दीपक का जेल में भी कोई ड्रग्स सप्लाई का नेटवर्क तो नहीं था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जेल प्रशासन को भी इसकी सूचना दी है।

आईआईटी से बीटेक कर रहा था तेलंगाना का युवक, होस्टल के कमरे में दी जान

ऑनलाइन सट्टे में नुकसान से परेशान छात्र ने लगाई फांसी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के आईआईटी कैंपस में बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र ने शुक्रवार रात अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना विक्रम साराभाई हॉस्टल में घटी। मृतक छात्र की पहचान 17 वर्षीय रोहित केथवाथ के रूप में हुई, जो तेलंगाना के नलगोंडा का निवासी था। पुलिस ने घटना की सूचना छात्र के परिवार को दे दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

ग्रामीण एएसपी रूपेश द्विवेदी के अनुसार, रोहित पढ़ाई में काफी अच्छा था और अपने कमरे में अकेले रहता था। उसके दोस्तों ने पुलिस को बताया कि वह अक्सर मोबाइल गेम खेलता था। धीरे-धीरे वह ऑनलाइन सट्टेबाजी के चंगुल में फंस गया और इसमें उसने लाखों रुपये गंवा दिए। इस भारी नुकसान के चलते वह तनाव में था और इससे उबर नहीं पा रहा था। घटना की रात उसके दोस्त डिनर के लिए डाइनिंग हॉल गए थे। उन्होंने रोहित को साथ चलने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। जब वे डिनर के बाद लौटे, तो उन्होंने रोहित को फंदे से लटका हुआ पाया। तुरंत इसकी सूचना हॉस्टल वार्डन और सिमरोल पुलिस को दी गई।

सुसाइड नोट में ऑनलाइन बेटिंग ऐप्स को ड्रग्स की तरह खतरनाक बताया

पुलिस ने घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं किया है, लेकिन रोहित ने अपने व्हाट्सऐप स्टेटस पर एक संदेश छोड़ा था, जिसमें उसने ऑनलाइन बेटिंग ऐप्स को ड्रग्स की तरह खतरनाक बताया। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है और उसकी कॉल डिटेल्स, मोबाइल ऐप्स और बैंक अकाउंट की जांच की जाएगी। यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि क्या उसे किसी ने धमकी दी थी या वह किसी प्रकार के कर्ज के दबाव में था।

परिजन को हत्या की आशंका, की निष्पक्ष जांच की मांग

रोहित के बड़े भाई ने मामले को हत्या बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। दोस्तों के अनुसार, रोहित का व्यवहार सामान्य था, लेकिन वह अधिकतर समय मोबाइल पर बिताता था। पुलिस ने कहा कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और आर्थिक नुकसान के कारण वह मानसिक तनाव में था। इस घटना ने एक बार फिर ऑनलाइन सट्टेबाजी और इसके प्रभाव को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस करेगी आगे की कार्रवाई

भाजपा पार्षद के घर में घुसकर मारपीट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर के खातीवाला टैंक स्थित भाजपा पार्षद के घर पर शनिवार को बदमाशों ने हमला कर दिया। बदमाशों ने वार्ड 65 के पार्षद कमलेश कालरा के घर में घुसकर उनकी मां और बेटे को घायल कर दिया। कालरा ने इसे लेकर भाजपा के ही दूसरे पार्षद जीतू यादव पर आरोप लगाया है। कालरा ने कहा कि उनके लोगों ने मेरे घर में घुसकर मारपीट की। घटना की जानकारी मिलते ही कालरा समर्थकों ने बाजार बंद करा दिए। रहवासी रास्ता बंद करने के लिए सिंधी कॉलोनी चौराहे पर पहुंचे, लेकिन पुलिस जाम लगाने से पहले ही उन्हें हटा दिया। सभी ने इंदौर आए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. वीडी शर्मा से मिलकर जीतू यादव की शिकायत भी की। दरअसल पार्षद जीतू यादव इंदौर-2 के भाजपा विधायक रमेश मेंदोला के करीबी हैं। वहीं कमलेश कालरा इंदौर-4 की भाजपा विधायक मालिनी गौड़ के नजदीकी माने जाते हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमित सिंह ने बताया कि एमआईसी सदस्य जीतू यादव के लोगों ने पार्षद कमलेश कालरा के घर में घुसकर हमला किया। पूरे मामले की सीसीटीवी फुटेज चेक करने और विवादित ऑडियो की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

10 दिन पुराना है विवाद

दरअसल विवाद की शुरूआत 10 दिन पुरानी है। इसका ऑडियो शुक्रवार को वायरल हुआ। इसमें वे निगमकर्मी यतींद्र यादव से अभद्रता से बात करते सुनाई दे रहे हैं। बताते हैं कि मामला जोन 12 की एक बिल्डिंग के निर्माण से जुड़ा है। इस बिल्डिंग पर यतींद्र अवैध निर्माण का नोटिस चस्पा करने गए। जब ये बात कालरा को पता चली तो उन्होंने यतींद्र और अफसर राहुल सूर्यवंशी को कॉन्फ्रेंस कॉल पर लेकर भला-बुरा कहा। आरोप है कि उन्हें धमकाया और गाली-गलौज की। पार्षद कालरा ने शनिवार को मीडिया से चर्चा में बताया कि इस मामले में मेरा और यतींद्र यादव का समझौता हो गया था। कालरा ने कहा कि यतींद्र हमारे वार्ड में वसूली कर रहा था। मैंने रोका तो उसने मुझे जीतू यादव (भाजपा पार्षद) के नाम से धमकाया था। फिर शुक्रवार रात को जीतू यादव ने मुझे फोन पर धमकियां और गालियां भी दीं।

आरडीएसएस के तहत मालवा-निमाड़ के जिलों में सतत मिल रही सौगातें

बिजली कंपनी 3 माह में तैयार करेगी 25 नए ग्रिड

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नए वर्ष 2025 के पहले तीन महीने में पश्चिम मप्र के इंदौर सहित मालवा निमाड़ के विभिन्न जिलों में रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत पच्चीस नए ग्रिड तैयार किए जाएंगे। इनसे बिजली वितरण भी शुरू हो जाएगा।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि जनवरी से मार्च 2025 तक तीन माह में पच्चीस नए ग्रिड को पूर्णतः तैयार कर चार्ज करने के आदेश दिए गए हैं। इन ग्रिडों में इंदौर जिले के गंगाडेम और गारी पिपलिया का 33/11 केवी का ग्रिड शामिल हैं। इसके अलावा देवास जिले के शेरगुना और देवला बछाल, गांव, उज्जैन के शंकरपुरा में भी नए ग्रिड अगले तीन माह में तैयार हो जाएंगे, और उपभोक्ताओं को फायदा मिलने लगेगा। इसी तरह अन्य जिलों में भी आरडीएसएस के अंतर्गत नए 5 एमवीए क्षमता के नए ग्रिड तैयार हो जाएंगे। प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि इन 25 ग्रिडों के समय पर तैयार कर बिजली आपूर्ति करने के लिए मुख्य अभियंता एसएल करवाड़िया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एससी वर्मा दैनिक रूप से समीक्षा कर रहे हैं, ताकि वित्तीय वर्ष के समापन यानि मार्च अंत तक इन ग्रिडों का शत प्रतिशत कार्य हो जाए। इन नए ग्रिडों को मिलाकर आरडीएसएस के तहत कंपनी क्षेत्र में कुल 80 नए ग्रिड होंगे। आरडीएसएस के तहत दिसंबर अंत तक जो ग्रिड तैयार होकर बिजली आपूर्ति कर रहे हैं, उनमें इंदौर शहर एवं इंदौर ग्रामीण क्षेत्र के ईमलीखेड़ा, बड़ियाकीमा बिचौली क्षेत्र, महेश्वर रोड, गुलझेरा, राजोदा, सुपर स्पेशलिटी एमवाय के पास, देवास नाका, रसोमा विजय नगर के पास, जीत नगर बिलावली ग्रिड शामिल हैं।

देपालपुर रंगवासा और चिकलोंडा के बीच सड़क हादसे में गंभीर रूप से हो गया था घायल

108 एंबुलेंस की तत्परता से बच गई युवक की जान

सिटी चीफ इंदौर।

देपालपुर। क्षेत्र के रंगवासा और चिकलोंडा गांव के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक गंभीर घायल हो गया। 108 एंबुलेंस की तत्परता से उसकी जान बचा ली गई। जानकारी के मुताबिक घायल युवक 25 वर्षीय दुर्गेश पिता अखिलेश यादव है। हादसे के बाद दुर्गेश सड़क किनारे लहूलुहान अवस्था में बेहोश पड़े थे। उसी दौरान वहां से गुजर रही देपालपुर की 108 एम्बुलेंस के स्टाफ ने स्थिति को समझते हुए तत्काल सहायता पहुंचाई। 108 एम्बुलेंस के डॉक्टर गोकुल गौड़ और पायलट बबलू राठौर ने एम्बुलेंस को साइड में रोककर तुरंत घटनास्थल पर घायल की जांच शुरू की। बिना समय गंवाए, उन्होंने वहीं मौके पर प्राथमिक उपचार प्रदान किया। एम्बुलेंस स्टाफ ने अपनी तत्परता और कुशलता से घायल युवक की हालत को स्थिर किया। प्राथमिक उपचार के बाद दुर्गेश को देपालपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने उनकी हालत को गंभीर देखते हुए उन्हें इंदौर के एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया।

एंबुलेंस स्टाफ की सेवा भावना की तारीफ

युवक के जीवन को बचाने में बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस टीम की त्वरित प्रतिक्रिया और सेवा भावना की प्रशंसा की। डॉक्टर गोकुल गौड़ और पायलट बबलू राठौर के प्रयासों ने यह साबित कर दिया कि समर्पण और मानवता के साथ काम करने से बड़ी से बड़ी चुनौती को संभाला जा सकता है। यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा और जागरूकता की आवश्यकता को उजागर करती है। स्थानीय प्रशासन और नागरिकों को मिलकर सड़कों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

नगर निगम आयुक्त ने किया नदी-नालों का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

कान्ह नदी के किनारे का होगा सौंदर्यीकरण

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने शनिवार सुबह 7 बजे से शहर के नदी नालों का निरीक्षण शुरू किया। निरीक्षण के दौरान तुलसी नगर नाले का निरीक्षण गया। तुलसी नगर नाले में पीचिंग कार्य करने के निर्देश इसके पश्चात रसोमा लेबोरेटरी के पीछे नाले को देखा नाले में आ रहे रिसाव के लिए सिवरेज लाइन का चैंबर खुलवा कर देखा और सीवर लाइन में सुधार करने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने मेघदूत उपवन के पीछे नाले का भी निरीक्षण किया गया यहां पर चल रहा है ग्रीन वेस्ट कंपोस्ट स्थल का भी निरीक्षण किया गया आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आनंद मोहन माथुर सभा ग्रह के पास नाले को देखा और पिचिंग कार्य करने के निर्देश दिए गए। रसोम लेबोरेटरी के पीछे चौराहे पर जल जमाव बिंदु का निरीक्षण कर जल जमाव का जल निकासी के लिए कार्य करने के निर्देश दिए गए।

आईएसबीटी ब्रिज के पास स्थित कान्ह नदी के किनारे सौंदर्यकरण के कार्य करने के निर्देश दिए गए जिसमें स्टाप डेम बनाकर फाउंटेन लगाने, यहां पर हरी घास लगा कर पब्लिक के बैठने हेतु बेंच लगाने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया अधीक्षण यंत्री विवेश जैन कार्यपालन यंत्र आर एस देवड़ा , लक्ष्मीकांत वाजपेई एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा का रुख बदलने से तापमान में थमी गिरावट

मप्र में 3 दिन कड़ाके की ठंड का अलर्ट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अभी हवाओं के रुख में कुछ परिवर्तन होने लगा है। इस वजह से फिलहाल रात के तापमान में विशेष गिरावट होने की संभावना नहीं है। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रदेश में सबसे कम 4.3 डिग्री सेल्सियस तापमान मंडला में दर्ज किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री पर रहा। सुबह के समय भिंड, मुरैना, ग्वालियर, रीवा, सतना एवं छतरपुर में घना कोहरा छाया रहा। ग्वालियर एयरपोर्ट पर दृश्यता शून्य रिकार्ड की गई। रीवा में दृश्यता 50 मीटर तक रह गई थी।

उधर, रायसेन में शुक्रवार को शीतल दिन रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी दो-तीन दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह रहेगा। उसके बाद न्यूनतम तापमान में फिर गिरावट होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ अफगानिस्तान एवं उसके आसपास बना हुआ है। उत्तर भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हवाओं का रुख उत्तर-पश्चिमी होने लगा है।

इस वजह से अब दिन के तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने लगी है, साथ ही रात के तापमान में गिरावट का सिलसिला थम सकता है। मौसम का इस तरह का मिजाज अभी दो-तीन दिन बना रह सकता है।

इस बीच उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में एक बार फिर बर्फबारी होने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत से आगे बढ़ने के साथ ही एक बार फिर रात के तापमान में गिरावट होने के आसार हैं।

अतिशेष प्राध्यापकों की संख्या पर विभाग की नजर

पीएमश्री और स्वशासी कॉलेजों के लिए आवेदन नहीं करने वाले प्रोफेसरों की होगी रवानगी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश के प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस और स्वशासी कॉलेजों में 616 सहायक व सह प्राध्यापकों को दो माह के लिए दूसरे कॉलेजों में रिडिप्लायमेंट (पुनर्पदस्थापना) के लिए भेजा गया है। अब दूसरी सूची जारी होने के पहले उच्च शिक्षा विभाग उन प्राध्यापकों को पीएमश्री और स्वशासी कॉलेजों से हटाएगा, जिन्होंने साक्षात्कार के लिए आवेदन नहीं किया था।

भोपाल के हमीदिया प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस, गीतांजलि कालेज, एमएलबी और नूतन कॉलेज से भी काफी प्राध्यापकों को बाहर किया जाएगा। विभाग उन्हें दूसरे कॉलेजों में पदस्थ करने के लिए सूची तैयार करने में जुटी है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि ऐसे प्राध्यापकों को अपनी योग्यता पर संदेह है कि वे पीएमश्री कॉलेजों में रहकर विद्यार्थियों को अध्ययन नहीं करा पाएंगे। अब जिन्होंने आवेदन नहीं किया था और साक्षात्कार में शामिल नहीं हुए हैं, उन्हें दूसरे कॉलेज में भेजा जाएगा। बता दें कि साक्षात्कार में शामिल होने के लिए करीब तीन हजार प्राध्यापकों ने आवेदन किए थे।

अतिशेष प्राध्यापकों की संख्या बढ़ेगी

जिन प्राध्यापकों ने साक्षात्कार के लिए आवेदन नहीं किया है, उन्हें दूसरे कॉलेजों में भेजा जाएगा। उनके स्थान छोड़ने के बाद रिक्त पदों पर पीएमश्री कॉलेज में दूसरी सूची जारी कर प्राध्यापकों को भेजा जाएगा। पहली सूची के कई प्राध्यापकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। हालांकि पीएमश्री और स्वशासी कॉलेजों से प्राध्यापकों को किसी दूसरे कॉलेजों में भेजने से पहले विभाग को वहां पदस्थ प्रोफेसरों को बाहर करना होगा। ऐसा नहीं करने पर कॉलेजों में अतिशेष प्राध्यापकों की संख्या में बढ़ जाएगी।

नूतन कॉलेज में अधिक प्राध्यापक

भोपाल में हमीदिया, नूतन, गीतांजलि और एमएलबी कॉलेज इसमें शामिल हैं। विभाग ने उक्त चार कॉलेजों में 52 प्रोफेसरों को भेजा था। इनमें सबसे ज्यादा प्राध्यापकों को नूतन कॉलेज भेजा गया है, जबकि विभाग ने साक्षात्कार प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस के नाम पर कराए थे। इसमें 41 प्राध्यापकों को तीन स्वशासी कॉलेजों में पदस्थ किया गया है। इसके अलावा छह प्राध्यापकों को भोपाल के दूसरे कॉलेजों में भेजा है।

मिर्च पाउडर लेकर पहुंकर किया दिनदहाड़े बैंक लूटने का प्रयास, कर्मचारियों ने घेरा

ऑनलाइन गेमिंग में लाखों गंवाए तो बैंक लूटने पहुंच गया

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पिपलानी इलाके में शुक्रवार को दिनदहाड़े बैंक लूटने का सनसनीखेज प्रयास किया गया। एक युवक मिर्च पाउडर और स्प्रे लेकर बैंक पहुंचा और कर्मचारियों को डराने लगा। बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों ने जब उसे घेर लिया तो वह बाइक छोड़कर भाग निकला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर युवक को देर रात दबोच लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि युवक ऑनलाइन गेमिंग में लाखों रुपये गवां चुका है, उसकी भरपाई के लिए वह बैंक लूटने पहुंचा था। हिरासत में लिए गए आरोपी से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पूछताछ कर रहे है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर एक युवक पिपलानी स्थित निजी बैंक के अंदर पहुंचा। वह अपने हाथों में मिर्च पाउडर और स्प्रे लिए हुए था। उसने फिल्मी स्टाइल में बैंक कर्मचारियों को धमकाना शुरू किया। उसकी हरकत देख कर्मचारी समझ गए कि वह लूटपाट करना चाहता था। कर्मचारियों ने उसे घेर लिया तो वह बाहर की तरफ भागा। बैंक के बाहर आते ही वह अपनी बाइक छोड़कर मौके से भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही पिपलानी पुलिस मौके पर पहुंच गई।

जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने लावारिस हालत में खड़ी बाइक जब्त कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी बाइक नंबर के आधार पर पुलिस ने देर रात युवक को दबोच लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि युवक ऑनलाइन गेम खेलने का आदी है। वह अपने लाखों रुपए गेम में गवां चुका है। इन रुपयों की भरपाई के लिए वह बैंक लूटना चाहता था, लेकिन सफलता नहीं मिली। इंटरनेट से सीखा वारदात का तरीका पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी ने करीब पंद्रह दिन पहले से इंटरनेट पर बैंक लूटने के तरीके सीख रहा था। इस दौरान उसे पता चला कि मिर्च पाउडर और स्प्रे डालकर इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया जा सकता है। इसी कारण उसने बैंक लूटने की योजना बनाई थी। पुलिस युवक का आपराधिक रिकार्ड खंगालने के साथ ही यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसके साथ कोई अन्य साथी था, अथवा नहीं। इस पूरे मामले का जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

पीथमपुर की परिस्थितियों से कोर्ट को अवगत कराएगी सरकार

सीएम डॉ. यादव बोले- जनहित हमारे लिए सर्वोपरि

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे के निपटान को लेकर उत्पन्न विवादों और विरोध पर संज्ञान लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास में एक अति आवश्यक बैठक की। इसमें मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद कहा कि उनकी सरकार इस मुद्दे पर पूरी संवेदनशीलता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनकल्याणकारी और जनहितैषी है। सरकार ने उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार ही कचरे का परिवहन पीथमपुर में किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने न्यायालय की याचिकाओं और आदेशों के तारतम्य में सुरक्षा मापदंडों का परिपालन करते हुए केवल परिवहन किया है। माननीय न्यायालय ने इस कार्य के लिए डेडलाइन दी थी कि 4 जनवरी के पहले-पहले कचरा निर्धारित स्थान

पर पहुंचना चाहिए। न्यायालय को 6 जनवरी तक इसकी रिपोर्ट अपेक्षित थी। इसी परिप्रेक्ष्य में आदेश के परिपालन में यह निर्दिष्ट स्थान पर, जो उनके द्वारा बताया गया था, परिवहन आदेश न्यायालयों द्वारा दिया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पीथमपुर की वर्तमान परिस्थितियों और व्यावहारिक कठिनाइयों के बारे में उच्च न्यायालय को पूरी जानकारी देंगे। साथ ही, उन्होंने जनता से अफवाहों और भ्रमित करने वाली खबरों पर विश्वास न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह और उनकी सरकार जनता के साथ है। मुख्यमंत्री ने अंत में जनता से यह भी आग्रह किया कि वे सरकार पर विश्वास रखें, क्योंकि सरकार उनकी सुरक्षा और कल्याण के लिए काम कर रही है। बैठक में उप मुख्यमंत्रीद्वय जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल, वरिष्ठ सांसद और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, प्रमुख सचिव विधि सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यूनियन कार्बाइड के कचरे के डंप किए जाने संबंधित कार्यों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। बता दें पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के 337 टन कचरे निपटान की योजना के खिलाफ शुक्रवार को बंद के बीच बवाल मच गया। लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। राऊ पीथमपुर मार्ग पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बल पर पथराव कर दिया। इसमें कई लोग घायल हो गए। इस बीच दो लोगों ने खुद को आग लगा ली, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोगों का कहना है कि पीथमपुर में कचरे को जलाने से स्थानीय लोगों को और पर्यावरण को नुकसान पहुंचेंगा।

भोपाल में 15 स्पा सेंटर पर रेड, 68 लड़के-लड़कियां पकड़े गए... पुलिस को देख उड़ गए सबके होश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल पुलिस को लंबे समय से स्पा सेंटरों में अनैतिक गतिविधियों के संचालन की शिकायत मिल रही थी, जिसके बाद शनिवार शाम को 150 पुलिसकर्मियों की 10 टीमों ने अलग-अलग क्षेत्र में संचालित 15 स्पा सेंटरों पर दबिश दी। इस दौरान चार स्पा सेंटर में अनैतिक गतिविधियों में लिप्त 68 युवक-युवती पकड़े गए।

इस दौरान आपत्तिजनक वस्तुएं भी पुलिस ने बरामद की हैं। वहीं पुलिस की छापेमार कार्रवाई का पता चलते ही अन्य स्पा सेंटरों में मौजूद लोग भागने लगे और पुलिस की टीम जब कार्रवाई के लिए पहुंची तो सेंटरों में ताले लगे मिले। आरोपितों के विरुद्ध महिला थाना, बागसेवनिया थाना, कमलानगर और एमपी नगर थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है।

चार स्पा सेंटरों में 35 युवतियां और 33 युवक एसीपी क्राइम मुख्तार कुरैशी ने बताया कि दबिश के लिए शहर के 15 स्पा सेंटरों को चिन्हित किया गया था। इसके लिए क्राइम ब्रांच, अलग-अलग थानों की पुलिस और कंट्रोल रूम से कुल 150 पुलिसकर्मियों की 10 टीमें बनाई गई थीं। शाम छह से रात नौ बजे तक छापेमार कार्रवाई हुई। जिसमें चार स्पा सेंटरों में पुलिस को संदिग्ध अवस्था में 35 युवती व 33 युवक मिले हैं।

कहां से कितने पकड़े गए

ग्रीन वैली स्पा सेंटर, बागसेवनिया = 22 युवती, 18 युवक

नक्षत्र स्पा सेंटर, मानसरोवर कांप्लेक्स = चार युवतियां, चार युवक

मिकाशो स्पा सेंटर, एमपीनगर = तीन युवतियां, चार युवक

वैलनेस स्पा सेंटर, नेहरू नगर = छह युवक, छह युवतियां

सीएम ने समाधान ऑनलाइन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

लापरवाही पर तीन अधिकारी-कर्मचारी सस्पेंड, एक की सेवा समाप्त

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समाधान ऑनलाइन में विभिन्न जिलों के नागरिकों के लंबित प्रकरणों की समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याएं लंबे समय तक लंबित रखने वाले दोषी अधिकारी-कर्मचारी दंडित किए जाएंगे। आमजन का कल्याण ही राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। राजस्व, छात्रवृत्ति वितरण सहित अन्य योजनाओं की स्वीकृति और योजनाओं की राशि वितरण संबंधी कोई भी कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के हित में प्रमुख सुविधाओं को प्रदान करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सायकिल वितरण, गणवेश, किताब, छात्रवृत्ति एवं छात्रावास की सुविधा एवं छात्रावास न उपलब्ध होने पर किराए पर लिए गए कक्ष का किराया दिलवाने का कार्य भी किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान चला कर पारदर्शिता और शुचिता के साथ स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाए। शालाओं में नामांकन बढ़ाने के लिए भी अभियान चलाएं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश आगे रहा था। अभी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास करने की आवश्यकता है। परीक्षा प्रणाली, टास्क फोर्स समिति की बैठक, भवन विहीन स्कूलों में व्यवस्थाएं आदि की शीघ्र ही विस्तृत समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीएम हेल्पलाइन में उल्लेखित शिकायतों के निराकरण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों और सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों को बधाई दी। इन जिलों में सागर, कटनी, सिंगरौली, विदिशा और सीहोर जिलों के अधिकारियों करें बधाई मिली। श्रेष्ठ कार्य करने वाले और उच्च प्रदर्शन वाले विभागों में ऊर्जा, नगरीय विकास, महिला एवं बाल विकास, पंचायत ग्रामीण विकास एवं गृह विभाग शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबित प्रकरण का तत्काल निराकरण करें। जन-कल्याण के कार्य को गति देने के लिए अभियान चल रहा है। आगामी 26 जनवरी तक घर-घर जाकर नागरिकों को योजनाओं से लाभान्वित करने का अभियान गत 11 दिसंबर से संचालित है। जन-कल्याण अभियान की गतिविधियां 22 जनवरी तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व संबंधी कार्य पूरी प्रक्रिया के साथ पूर्ण हों। उदाहरण के लिए बंटवारा आदेश ही पर्याप्त नहीं है, उसे नक्शे में दर्शाना भी आवश्यक है। नामांतरण और सीमांकन के कार्यों में भी पूर्ण प्रक्रिया कर कार्य किए जाएं।

समाधान ऑनलाइन में बैतूल जिले के चन्द्र प्रकाश धोटे के बंटवारे के आवेदन का समाधान भी हो गया। मुख्यमंत्री ने ऐसे लंबित प्रकरण अभियान के अंतर्गत निराकृत करने के निर्देश दिए। सागर की छात्रा खुशबू गुर्जर द्वारा निःशुल्क सायकिल मिलने में हुए विलंब की जानकारी समाधान ऑनलाइन में आते ही छात्रा को सायकिल मिल गई। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में सायकिल वितरण के लंबित प्रकरण हल करने के निर्देश दिए। रीवा जिले की छात्रा शीतल तिवारी को गांव की बेटी योजना में मिलने वाली राशि का भुगतान भी समाधान ऑनलाइन के माध्यम से किया गया। इस प्रकरण में उच्च शिक्षा विभाग के एक अधिकारी को निलंबित करने और एक अधिकारी की सेवा समाप्ति का निर्णय लिया गया।

दो पटवारी निलंबित, अधिकारी को कारण बताओ नोटिस होगा जारी

भोपाल के अनिल मालवीय के अपने निवास के निकट नालियों के फर्शीविहीन होने की शिकायत पर नगर निगम के दोषी कर्मचारी की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने गुना जिले के समंदर सिंह द्वारा परिजन की सर्पदंश से मृत्यु पर राहत राशि प्राप्त न होने की शिकायत कर पटवारी के निलंबन और संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे प्रकरणों में लोक सेवा गारंटी अधिनियम का उपयोग कर समय पर कार्य पूरे करवाए जाएं। दतिया जिले के ऋषि पुरोहित ने अपनी भूमि किसी अन्य व्यक्ति को आवंटन होने और करीब सवा साल तक कार्यवाही न करने की शिकायत की थी। इस मामले में दोषी पटवारी को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने मुरैना जिले के आरिफ अहमद को संबल योजना में अनुग्रह सहायता दिलवाने और अलीराजपुर के माधव सिंह तोमर को पशु बीमा योजना के अंतर्गत राशि के भुगतान के निर्देश दिए गए। पशुपालक तोमर को राशि दिलवाने में विलंब होने पर दोषी पशु चिकित्सक की वेतन वृद्धि रोकी गई है।

सम्पादकीय

जहरीला भूजलः पंजाब व हरियाणा के लिये गंभीर चेतावनी

पंजाब के भूजल में तीस फीसदी सैंपलों में अधिक यूरेनियम पाया गया। फिक्र की बात यह है कि पंजाब व राजस्थान यूरेनियम प्रदूषण के मद्देनजर हॉट स्पॉट हैं। दरअसल, यूरेनियम के अधिक प्रदूषण का मुख्य कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। जो भूजल स्त्रोत अधिक यूरेनियम वाले क्लस्टर हैं, वे अति दोहित, गंभीर व अर्धगंभीर श्रेणी वाले इलाके हैं। वास्तव में भूजल के अंधाधुंध दोहन से पानी का स्तर उस स्थान तक जा पहुंचा है, जहां पानी में यूरेनियम अधिक है। जो कि कैंसर जैसी अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। हाल के वर्षों में पंजाब के कई इलाकों में कैंसर के अधिक मामले सामने आए हैं। यहां तक कि पंजाब से राजस्थान रोगियों को इलाज के लिए ले जाने वाली ट्रेन को कैंसर ट्रेन तक कहा जाता रहा है।

हरित क्रांति के अगुआ बनकर देश के खाद्यान्न संकट दूर करने वाले राज्य पंजाब व हरियाणा का भूजल चिंताजनक स्तर तक दूषित पाया गया है। धान व अन्य फसलों की बंपर पैदावार के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन करने वाले इन राज्यों का भूजल का स्तर उस गहराई तक जा पहुंचा है, जहां उसमें यूरेनियम जैसे घातक पदार्थों की मात्रा गंभीर स्थिति तक जा पहुंची है। पूरे देश में भूजल की गुणवत्ता की जांच के लिये लिये गए बीस फीसदी सैंपल निर्धारित कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं। इन सैंपलों में नाइट्रेट का स्तर सीमा से अधिक मिला है। पानी की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय भूजल बोर्ड की सालाना रिपोर्ट गंभीर चिंताओं का खुलासा करती है। जहां अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, जम्मू- कश्मीर आदि के सौ फीसदी सैंपल भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों पर खरे उतरे हैं, वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उ.प्र. तथा आंध्र प्रदेश में पानी बड़े पैमाने पर प्रदूषित मिला है। देश में कुल 15,259 भूजल निगरानी स्थानों का चयन पानी की क्वालिटी नापने के लिये किया गया। मगर पंजाब के पानी के नमूने में मिले घातक तत्व चिंता बढ़ाने वाले हैं। पंजाब के भूजल में तीस फीसदी सैंपलों में अधिक यूरेनियम पाया गया। फिक्र की बात यह है कि पंजाब व राजस्थान यूरेनियम प्रदूषण के मद्देनजर हॉट स्पॉट हैं। दरअसल, यूरेनियम के अधिक प्रदूषण का मुख्य कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। जो भूजल स्त्रोत अधिक यूरेनियम वाले क्लस्टर हैं, वे अति दोहित, गंभीर व अर्धगंभीर श्रेणी वाले इलाके हैं। वास्तव में भूजल के अंधाधुंध दोहन से पानी का स्तर उस स्थान तक जा पहुंचा है, जहां पानी में यूरेनियम अधिक है। जो कि कैंसर जैसी अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। हाल के वर्षों में पंजाब के कई इलाकों में कैंसर के अधिक मामले सामने आए हैं। यहां तक कि पंजाब से राजस्थान रोगियों को इलाज के लिए ले जाने वाली ट्रेन को कैंसर ट्रेन तक कहा जाता रहा है। निश्चित रूप से केंद्रीय भूजल बोर्ड की यह रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। हमने मुनाफा बढ़ाने के लिये जिस भूजल का अंधाधुंध दोहन किया है वह अब अपना नकारात्मक प्रभाव दिखाने लगा है। निश्चित रूप ने कुदरत ने हमें आवश्यकता का जल तो दिया है लेकिन उसके अनियंत्रित दोहन की अनुमति नहीं दी है। पंजाब बड़े पैमाने पर धान की खेती करता रहा है। हालांकि, पंजाब के भोजन में चावल प्राथमिक नहीं रहा है। लेकिन व्यावसायिक हितों की पूर्ति के लिये धान की खेती को प्रश्रय दिया गया। इस खेती की वजह धान की फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का मिलना भी है। अब किसानों को फसलों के विविधीकरण के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग संकट के मद्देनजर यह चुनौती और गंभीर हो जाती है क्योंकि वर्षा जल के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। जिसके चलते सूखे व बाढ़ जैसी स्थितियां कभी भी पैदा हो जाती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के मद्देनजर उन फसलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो कम पानी में उग सकें और अधिक मुनाफा दे सकें। सरकारों की ओर से मुफ्त सिंचाई की सुविधा के सवाल पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। दरअसल, हमें जो चीज मुफ्त उपलब्ध हो जाती है, हम उसके उपयोग में किफायत नहीं बरतते। हमें हर मुफ्त चीज की बड़ी कीमत कालांतर चुकानी पड़ती है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट राजस्थान व गुजरात के भूजल में निर्धारित मानक से अधिक फ्लोराइड होना बताती है।

पारिस्थितिकी के शिल्पकार हैं भारतीय हाथी

भारत सरकार और अनेक संरक्षण संस्थाएं हाथियों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, लेकिन आज के समय में हमें यह समझने की आवश्यकता है कि भारतीय हाथियों की सुरक्षा केवल सरकार या वन्यजीव संगठनों की जिम्मेदारी नहीं है। हाथियों के संरक्षण में समाज का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिका निभा सकता है, हाथियों के प्राकृतिक पयार्वास को बचाकर, हाथीदांत से बने सामानों के उपयोग को बंद कर, वन्यजीव गलियारे (कॉरिडोर) में हाथियों के निर्बाध आवागमन को गति देकर, अधिकाधिक जागरूकता के माध्यम से भी आप इस प्यारे जीव की रक्षा कर सकते हैं, जो पूरे पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण में सहायक होगा।

पारिस्थितिकी तंत्र के इंजीनियर कहे जाने वाले भारतीय हाथी न केवल आकर्षक जीव हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण के संतुलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय हाथी (एलीफस मैक्सिमस इंडिकस) एशियाई हाथी की चार उपजातियों में से एक है, और यह मुख्यतः भारत में पाया जाता है। हाथी जंगलों में रहना पसंद करते हैं, पर खुले मैदानों और घास के क्षेत्रों में भी भ्रमण करते रहते हैं।

ये स्वभाव से खानाबदोश होते हैं और एक स्थान पर लंबे समय तक नहीं ठहरते। चलते-चलते ये हाथी वनों में बीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं, जिससे नए पेड़-पौधों का प्रसार होता है और जैव विविधता बनाए रखने में मदद मिलती है, अपने भारी पैरों से जमीन को दबाकर रास्ते बनाते हैं, जिससे छोटे जानवरों के लिए आवास उत्पन्न होते हैं और अन्य जीवों की आवाजाही में आसानी होती है, हाथी कई तरीकों से वृक्षों और वनस्पतियों की बढ़त को नियंत्रित करने में सहायता करते हैं। इनकी महत्ता के कारण ही हाथी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए 'अम्ब्रेला स्पीशीज' माने जाते हैं, क्योंकि इनका संरक्षण अनेक अन्य प्रजातियों का संरक्षण भी सुनिश्चित करता है।

भारतीय उपमहाद्वीप के घने वनों व घास के मैदानों में पाया जाने वाला यह शाकाहारी विशालकाय जीव एक दिन में करीब 200 किलोग्राम तक भोजन करता है और 100 लीटर पानी पीता है। इस भोजन में मुख्य रूप से घास, पत्तियां, फल, और टहनियां शामिल होती हैं।

यह भोजन प्रक्रिया केवल उनके जीवन को बनाए रखने के लिए आवश्यक नहीं है, बल्कि उनके द्वारा छोड़े गए बीज जंगल में पुनः अंकुरित होते हैं, जिससे वृक्षों की संख्या बढ़ती है और वन का संतुलन बना रहता है। इनके मल में भी अनेक प्रकार के बीज होते हैं, जो मृदा की उर्वरता और जैव-विविधता को बढ़ाते हैं। भारतीय संस्कृति व धार्मिक मान्यताओं में हाथी पूजनीय जीवों में से एक है, हाथियों को अति-पवित्र और शुभ माना जाता है, भगवान गणेश का स्वरूप हाथी के रूप में ही देखा जाता है, जो ज्ञान और समृद्धि के देवता माने जाते हैं। धार्मिक-आस्था और पर्यावरणीय संरक्षण दोनों को जोड़ते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि हम हाथियों के संरक्षण के लिए प्रयास करें, ताकि हम अपनी सांस्कृतिक-धरोहर और जैविक विविधता को बनाए रख सकें।

जब धरोहर की बात का संबंध हाथियों से हो और वत्सला का नाम ना आये, ऐसा नहीं हो सकता, पन्ना टाइगर रिजर्व की धरोहर बन चुकी दुनिया की सबसे उम्रदराज हथिनी है ह्यवत्सलाह्न जिसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज हो चुका है।

आजकल जंगलों की कटाई, खनन और शहरीकरण की वजह से हाथियों के प्राकृतिक-आवास का विखंडन तेजी से हो रहा है, जिससे हाथियों का दल व्याकुल हो जाता है और भोजन की तलाश में जुट जाता है। इसके कारण हाथियों को मानव बस्तियों के करीब आना पड़ता है, जिससे मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं, भारत में प्रत्येक वर्ष कई व्यक्ति मानव-हाथी संघर्ष में अपनी जान गंवाते हैं और लाखों की फसल और संपत्ति का भी नुकसान होता है।

इस संघर्ष के चलते प्रतिशोध में हाथियों की भी हत्या हो जाती है, इस दयनीय स्थिति ने हाथियों के संरक्षण को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है। ज्वलंत मुद्दे की बात की जाये तो , जलवायु परिवर्तन भी हाथियों के लिए कठिनाइयाँ लेकर आया है, सूखे के कारण पानी की कमी हो रही है, जिससे हाथियों को पानी और भोजन की खोज में लंबी दूरी तय करना पड़ता है, बढ़ते तापमान और अनियमित मौसम चक्रों के चलते, ये चुनौतियां और भी गंभीर हो जाती हैं, इससे हाथियों की शारीरिक और मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है, जिससे उनकी जीवन-प्रत्याशा और प्रजनन-दर में भी गिरावट देखी जा रही है।

आज हमारे भारत में दुनिया की 60त्न से अधिक एशियाई हाथीयों की आबादी उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय वनों में निवास करती है, जो मानव-हाथी संघर्ष से सबसे अधिक प्रभावित है। 75 वर्षों में हाथियों की संख्या में 50त्न की गिरावट हुई है। प्राकृतिक-आवास की क्षति और विखंडन ने उनके सामाजिक ढांचे को भी प्रभावित किया है, जिससे उनका आपसी संबंध कमजोर हो गया है और प्रजनन में भी कठिनाई हो रही है, इससे प्रजाति के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है।

भारत सरकार और अनेक संरक्षण संस्थाएं हाथियों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, लेकिन आज के समय में हमें यह समझने की आवश्यकता है कि भारतीय हाथियों की सुरक्षा केवल सरकार या वन्यजीव संगठनों की जिम्मेदारी नहीं है। हाथियों के संरक्षण में समाज का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिका निभा सकता है, हाथियों के प्राकृतिक पयार्वास को बचाकर, हाथीदांत से बने सामानों के उपयोग को बंद कर, वन्यजीव गलियारे (कॉरिडोर) में हाथियों के निर्बाध आवागमन को गति देकर, अधिकाधिक जागरूकता के माध्यम से भी आप इस प्यारे जीव की रक्षा कर सकते हैं, जो पूरे पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण में सहायक होगा।

विश्व हाथी दिवस (12 अगस्त) जैसे विशेष दिन अवश्य मनायें, अन्य लोगों व छोटे बच्चों को कहानियों के माध्यम से हाथियों के प्रति सजग करें, यह कदम निश्चित ही हाथियों के संरक्षण में सहायक होगा, क्योंकि हाथियों का संरक्षण केवल एक जीव के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी जैव विविधता के संरक्षण का एक अनिवार्य हिस्सा है।

मथुरा के इस्कॉन मंदिर का कर्मचारी चढ़ावे का धन लेकर फरार, मामला दर्ज

मथुरा (उप्र)। मथुरा के वृंदावन कोतवाली क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा संचालित श्रीकृष्ण बलराम मंदिर में पिछले तीन साल से कार्यरत कर्मचारी चढ़ावे का धन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने एक साल से चढ़ावे की धनराशि का हिसाब नहीं दिया था और जब उससे हिसाब मांगा गया, तो वह फरार हो गया। पुलिस ने मंदिर के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) की तहरीर पर शनिवार को प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

वृन्दावन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) रवि त्यागी के अनुसार इस्कॉन मंदिर के सीएफओ ने शिकायत में कहा कि यहां 'मेंबरशिप' विभाग में कार्यरत मुरलीधर दास को दानदाताओं द्वारा मंदिर में दान की जाने वाली राशि को बैंक में जमा करने के लिए रखा गया था जिसके लिए उसे 32 रसीद बुक सौंपी गई थीं। त्यागी ने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया कि जब कई बार उन रसीदों का हिसाब देने के लिए उससे कहा गया तो पहले तो वह टालता रहा लेकिन पिछले दिनों जब सख्ती की गई तो वह अचानक मथुरा में अपने अस्थाई निवास से ही फरार हो गया।

दास पर यह भी आरोप कि जब उसे फोन कर रसीद बुक और चढ़ावे की राशि वापस करने को कहा गया तो उसने जान से मारने की धमकी तक दी। वृन्दावन पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। इस्कॉन के जनसंपर्क अधिकारी रवि लोचन दास ने बताया कि पुलिस ने उसके करीबी लोगों से जानकारी प्राप्त कर उसके सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी की है, परंतु अभी उसका सुराग नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि इस घटना से चार साल पहले भी एक कर्मचारी ने एक करोड़ से अधिक का घपला किया था।

राजधानी दिल्ली में श्रीपीठम द्वारा 5 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित.108 कुण्डीय श्री लक्ष्मी महायज्ञ..

स्थान..शारदा निकेतन चौक, ए पी जे स्कूल के सामने रामलीला मैदान पीतमपुरा...

दिल्ली के पीतमपुरा में युगऋषि जगदाचार्य महापंडित चंद्रमणि मिश्र के पावन सान्निध्य में वेद विद्या में निष्णात 251 ब्राह्मण आचार्यों के द्वारा महायज्ञ में स्वाहाकार मुख्य आकर्षण..

यह लक्ष्मी महायज्ञ विगत 18 वर्षों से हो रहे इन महायज्ञों की श्रृंखला में समाज में सुख शांति और देश की समृद्धि के लिए आयोजित है !!

श्रीयंत्रों की सिद्धि के साथ षडगमाला मंत्रों की आहुति, श्रीविद्या की साधना एवं महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए पूजन अर्चन वंदन और आप सभी के कल्याण की प्रार्थना !! इसलिए आओ एक संकल्प ले – आओ एक आहुति दें.....

इस पवित्र भावना के आइये. करें माँ.महालक्ष्मी को प्रसन्न । आप लोग श्रद्धापूरित मन के साथ इस महायज्ञ का दर्शन करें तो निश्चित रूप से आपकी मनोकामना पूरी होगी. .!! महालक्ष्मी विशेष रूप से प्रकट होकर अपना आशीर्वाद प्रदान करती हैं। इस महायज्ञ में महाकुंभ जो सनातन गौरव का प्रतीक है उसके सफलता के लिए भी आहुति दी जाएगी..तथा आने वाले श्रद्धालु जो इस महायज्ञ में यजमान बन रहे हैं जो

इसमें में भाग लेंगे,आहुति डालेंगे, यज्ञशाला की परिक्रमा करेंगे उनके मनोकामना पूर्ति के लिए भी प्रार्थना अवश्य होगी !! इस महायज्ञ में श्रीविद्या महालक्ष्मी का अर्चन ,पूजन एवं श्रीयंत्रों की सिद्धि और षडगमाला मंत्रों की विशेष आहुतियां समर्पित की जाएगी..। मैं आप सब का इस महायज्ञ में आह्वान करता हूं आइए आप अपनों के साथ सभी लोग लिए इस महायज्ञ का दर्शन कीजिए, आहुति समर्पित कीजिये..।

यज्ञशाला में नक्षत्र वाटिका नवग्रह उपवन, पंचवटी, त्रिवेणी , अष्टलक्ष्मी एवं महालक्ष्मी का दर्शन करते हुए 12 ज्योतिर्लिंगों का भी दर्शन पूजन का लाभ लीजिए ।एक चम्मच शुद्ध घी एक आहुति की पवित्र भावना एवं कामना के साथ महालक्ष्मी जी की कृपा प्राप्त कीजिए ।

.... यज्ञाचार्य महापंडित चन्द्रमाणी मिश्र...

शासकीय महाविद्यालय में भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप

बेरोजगारों में रोष

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 18 पदों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। बेरोजगार युवाओं और स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और इसे गुपचुप तरीके से पूरा किया गया। सेडमेप द्वारा आयोजित इस भर्ती में केवल 48 घंटे के लिए आवेदन लिंक सक्रिय किया गया,जिसका न तो प्रचार-प्रसार हुआ और न ही किसी समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित हुआ। इस वजह से सैकड़ों योग्य उम्मीदवार इस भर्ती से अनजान रह गए।

चहेतों को फायदा पहुंचाने की साजिश? आवेदकों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया पहले से ही कुछ चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए रची गई थी। इंटरव्यू प्रक्रिया में भी पारदर्शिता का अभाव बताया गया। क्षेत्र के युवाओं का आरोप है कि जो लोग प्रबंधन के करीबी थे, उन्हें ही प्राथमिकता दी गई। इस पर प्राचार्य सुरेंद्र खंडायत ने सफाई दी कि भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित और पारदर्शी थी। उन्होंने यह भी माना कि मीडिया को समय पर सूचना देनी चाहिए थी, लेकिन इसे एक चूक कहकर आरोपों से बचने की कोशिश की।

बेरोजगारों में आक्रोश, चयन सूची का इंतजार बेरोजगार युवाओं का कहना है कि इतनी बड़ी भर्ती के लिए केवल 48 घंटे का समय देना, वह भी बिना प्रचार-प्रसार के, संदेह पैदा करता है। एक आवेदक ने कहा, यह भर्ती केवल दिखावा है। सरकार को जवाब देना चाहिए कि इतनी जल्दी और गुपचुप प्रक्रिया क्यों अपनाई गई। अब सबकी निगाहें चयन सूची पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि क्या यह प्रक्रिया सच में पारदर्शी थी, या आरोपों के पीछे सच्चाई है। इस मामले ने न केवल लालबर्रा बल्कि पूरे क्षेत्र में सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रामनगर पुलिस द्वारा सट्टा पर्ची काटते 02 आरोपियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही

दोनों आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, आज दिनाक 04.01.2025 को मुखबिर द्वारा दी गई कि एक व्यक्ति राजनगर बस स्टैण्ड पर लोगो से रुपए पैसे का दाँव लगाकर अंकों की सट्टा पर्ची लिख रहा है जो सूचना पर आरोपी प्रशांत बेहरा पिता स्व अभि बेहरा उम्र 39 वर्ष निवासी इंदिरा नगर थाना रामनगर से सट्टा पर्ची, डॉट पेन, नगदी 1175 रू जप्त कर अपराध क्रमांक 04/2025 धारा 4 (क) सट्टा अधिनियम के तहत मुक़दमा पंजीकृत किया गया है । एक अन्य प्रकरण में आरोपी विमलेश वर्मन पिता भवानी प्रसाद वर्मन उम्र 39 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 07 चर्च के पास थाना रामनगर को साइडिंग तिराहा राजनगर में लोगो से रुपए पैसे का दाँव लगाकर अंकों की सट्टा पर्ची लिखते हुए पुलिस द्वारा पकड़ा गया । आरोपी के कब्जे से सट्टा पर्ची, डॉट पेन, नगदी 510/- रू जप्त कर अपराध क्रमांक 05/2025 धारा 4 (क) सट्टा अधिनियम के तहत मुक़दमा पंजीकृत किया गया है । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुमित कौशिक, स उ नि उमेश तिवारी,प्रधान आर 89 अमित पटेल, आर. 389 मनोज , आर. 529 अनुराग सिंह की भूमिका रही।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सिविल के एक पद पर आवेदन आमंत्रित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने बताया कि जनपद सहारनपुर में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सिविल का 01 पद रिक्त होने के फलस्वरूप विधि परामर्शी निदेशिका के प्रस्तर-7.03 में दी गई व्यवस्था के अनुक्रम में आवेदन-पत्र आमंत्रित किये गये है। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि आवेदन-पत्र 18 जनवरी 2025 तक अवश्य रूप से सीधे कलक्ट्रेट में स्थित न्यायिक सहायक प्रथम पटल कक्ष संख्या-7 पर तीन प्रतियों में अपरान्ह 03:00 बजे तक प्राप्त कराये जा सकते है। नियत दिनांक के उपरान्त किसी भी माध्यम से काई आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विस्तृत जानकारी के संबंध में किसी भी कार्यालय दिवस में न्यायिक सहायक प्रथम के पटल से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

खारा विद्युत परियोजना में डेढ़ मेगावाट उत्पादन बढ़ा

पांच हजार घरों को मिलेगी बिजली

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, 1992 में शुरू हुई खारा विद्युत परियोजना में डेढ़ मेगावाट विद्युत उत्पादन बढ़ जाने से मिर्जापुर क्षेत्र के पांच हजार घरों को बिजली मिल सकेगी। परियोजना के अधिशासी अभियंता चंद्र प्रसाद भान ने बताया कि 15 फरवरी तक बढ़ी विद्युत की आपूर्ति कलसिया के 33 केवीए विद्युत घर को शुरू हो जाएगी। खारा विद्युत परियोजना में अभी तक 72 मेगावाट विद्युत उत्पादन हो रहा है। 24-24 मेगावाट की तीन टरबाइनें लगी हुई हैं। उसके बाद बावेल और बेलका जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण हुआ। जहां तीन-तीन मेगावाट का विद्युत उत्पादन हो रहा है यानि अभी तक खारा विद्युत परियोजना से 78 मेगावाट का कुल विद्युत उत्पादन हो रहा था। इसी सिलसिले में डेढ़ मेगावाट की नई इकाई का काम भी पूरा हो गया जिसका परीक्षण किया गया जो सफल रहा। अधिशासी अभियंता चंद्रभान प्रसाद ने बताया कि खारा परियोजना से 1.90 करोड़ रूपए का प्रतिमाह विद्युत बन रही है। खास बात यह है कि यह परियोजना प्रदूषण रहित है और विद्युत की लागत प्रति यूनिट केवल 63 पैसे आ रही है। ध्यान रहे खारा परियोजना उत्तराखंड़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर हथनीकुंड बैराज के पास स्थित है। खारा परियोजना को असन्न बैराज जो उत्तराखंड में है से पानी की आपूर्ति हो रही है जहां से पानी कुल्हाल विद्युत परियोजना उत्तराखंड से 30 मेगावाट का विद्युत उत्पादन कर वहां से प्रवाहित होकर आरा में आकर फिर से विद्युत उत्पादन कर रहा है। उत्तराखंड बनने से कुल्हाल विद्युत परियोजना का संचालन उत्तर प्रदेश करता था।

देवबंद में नर सेवा नारायण सेवा ने जरूरतमंदों को वितरित किए लिहाफ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, भारत विकास परिषद शाश्वत शाखा देवबंद ने नर सेवा नारायण सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय वी. के. बालकुंज जूनियर हाई स्कूल में जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाव के लिए लिहाफ वितरित किए। कार्यक्रम में मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता व जिला समन्वयक पंकज गुप्ता ने किया। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण राजन छाबड़ा द्वारा किया गया। स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण पुनीत बंसल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता द्वारा अपने संबोधन में बताया कि भारत विकास परिषद एक संस्कारी संगठन है क्योंकि इसकी सदस्यता पारिवारिक होती है इसलिए भारत विकास परिषद के सभी कार्यक्रमों में महिलाएं भी बराबर रूप से सहभागी होती हैं। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष राजीव शर्मा ने संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला और बताया कि किसी भी नर की सेवा करना नारायण की सेवा करने के बराबर होता है इसलिए हमें समय-समय पर दीन- दुखियों की सहायता अवश्य करनी चाहिए। भारत विकास परिषद शाश्वत शाखा के संस्थापक अध्यक्ष देवीदयाल शर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि हम सबको समय-समय पर निर्धनों व जरूरतमंद लोगों की सहायता अवश्य करनी चाहिए। इससे आत्म सुख की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम संयोजक नीरज गोयल ने आज के कार्यक्रम के आयोजन के लिए गौरव अग्रवाल व मनीष अग्रवाल व सभी सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनय बंसल, सुरेंद्र प्रजापति, आशीष गर्ग, मनीष सिंघल, शशिकांत शर्मा, सचिन तायल, मोहित कुमार आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने समाधान ऑनलाइन में सुनी

नागरिकों की समस्याएँ, निराकृत हुए लंबित प्रकरण

योजनाओं की राशि, छात्रवृत्ति और राजस्व प्रकरणों में मिली नागरिकों को राहत

उज्जैन,। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की समस्याएं लंबे समय तक लंबित रखने वाले दोषी अधिकारी-कर्मचारी दंडित किए जाएंगे। आमजन का कल्याण ही राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। राजस्व, छात्रवृत्ति वितरण सहित अन्य योजनाओं की स्वीकृति और योजनाओं की राशि वितरण संबंधी कोई भी कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समाधान ऑनलाइन में विभिन्न जिलों के नागरिकों के लंबित प्रकरणों में समाधान करवाया। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव सीएम हेल्पलाइन में उल्लेखित शिकायतों के निराकरण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों और सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों को बधाई दी। इन जिलों में सागर, कटनी, सिंगरौली, विदिशा और सीहोर जिलों के अधिकारियों करें बधाई मिली। श्रेष्ठ कार्य करने वाले और उच्च प्रदर्शन वाले विभागों में ऊर्जा, नगरीय विकास, महिला एवं बाल विकास, पंचायत ग्रामीण विकास एवं गृह विभाग शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि लंबित प्रकरण का तत्काल निराकरण करें। जन-कल्याण के कार्य को गति देने के लिए अभियान चल रहा है। आगामी 26 जनवरी तक घर-घर जाकर नागरिकों को योजनाओं से लाभान्वित करने का अभियान गत 11 दिसंबर से संचालित है। जन-कल्याण अभियान की गतिविधियां 22 जनवरी तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखें। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राजस्व संबंधी कार्य पूरी प्रक्रिया के साथ पूर्ण हों। उदाहरण के लिए बंटवारा आदेश ही पर्याप्त नहीं है, उसे नक्शे में दर्शाना भी आवश्यक है। नामांतरण और सीमांकन के कार्यों में भी पूर्ण प्रक्रिया कर कार्य किए जाएं।

स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश को महत्वपूर्ण स्थान बनाना है
मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विद्यार्थियों के हित में प्रमुख सुविधाओं को प्रदान करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सायकिल वितरण, गणवेश, किताब, छात्रवृत्ति एवं छात्रावास की सुविधा एवं छात्रावास न उपलब्ध होने पर किराए पर लिए गए कक्ष का किराया दिलवाने का कार्य भी किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान चला कर पारदर्शिता और शुचिता के साथ स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाए। शालाओं में नामांकन बढ़ाने के लिए भी अभियान चलाएं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश आगे रहा था। अभी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास करने की आवश्यकता है। परीक्षा प्रणाली, टास्क फोर्स समिति की बैठक, भवन विहीन स्कूलों में व्यवस्थाएं आदि की शीघ्र ही विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उच्च शिक्षा में जीईआर में मध्यप्रदेश आगे आया था। इसी तरह स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति आवश्यक है विद्यार्थियों के लिए श्रेष्ठ शिक्षकों के व्याख्यान ई-माध्यम से उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नामांकन में मध्यप्रदेश को प्रथम 5 राज्यों में लाने के प्रयास हों। इस दौरान उज्जैन एनआईसी कक्ष में संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, एडीजी श्री उमेश जोगा, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

राजधानी के 15 प्रमुख चौक-चौराहों में ट्रैफिक होगा दुरूस्त

व्यस्तम मार्गों से अतिक्रमण हटाए

राजीव खरे । सिटी चीफ
रायपुर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर आमजनों को राहत देने राजधानी में यातायात व्यवस्था को दुरूस्त करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। शहर के 15 प्रमुख चौक-चौराहों का चिंहाकन किया गया है, जहां पर ट्रैफिक को दुरूस्त करने का कार्य किया जा रहा है, साथ ही व्यस्तम मार्गों से अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सड़कों के किनारे लगे बोर्ड को हटाकर उन सभी मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है और सड़कों के किनारे लगे बिजली पोल से बाधित होने वाले सड़कों का चिंहाकन कर पोल को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा उन मार्गों की चैड़ाई भी बढ़ाई जा रही है। इससे आने वाले दिनों में निश्चित तौर सड़कों में ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी और सड़कों की चौड़ाई बढ़ने से यातायात भी सुगम होगा। नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा ने बताया कि वीआईपी रोड के सड़कों के किनारे लगे पेड़ों की छटाई की जा रही है। इसके लिए नगर निगम और वन विभाग की टीम का गठन किया गया है। संयुक्त टीम वीआईपी रोड के अलावा प्रमुख जिन भी मार्गों में वृक्षों की वजह से यातायात संचालन में बाधा आ रही है, उन वृक्षों की छटाई करेगी। रायपुरा ओव्हर ब्रिज के नीचे वाली सड़कों में यातायात बाधित न हो, इसके लिए बोर्ड्स को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उन मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है। शंकर नगर क्षेत्र में सड़कों के किनारे लगे बिजली के पोल को हटाकर शिफ्ट किया जा रहा है। इसके बाद उन मार्गों को भी चौड़ा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर रायपुर शहर की ट्रैफिक की समस्या को दूर करने के लिए प्रहरी टीम का गठन किया गया है। यह टीम प्रत्येक मार्गों में पहुंचकर यातायात को दुरूस्त करने का कार्य कर रही है। 3 जनवरी को कलेक्टर ने ट्रैफिक संचालन को बेहतर करने के लिए समीक्षा बैठक ली थी। कलेक्टर ने यातायात दुरूस्त करने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए।

धार नगर की आम जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्षद दल ने पुरानी नगर पालिका परिषद के सामने एक विशाल धरना प्रदर्शन किया

धार धार नगर की आम जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्षद दल ने पुरानी नगर पालिका परिषद के सामने एक विशाल धरना प्रदर्शन किया जिसमें सैकड़ो की संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने पहुंचकर समर्थन किया मुख्य रूप से विगत दिनों महिला की मृत्यु होने पर उसी दिन जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों ने जर्जर दीवार हटाने की मांग की थी परंतु नगर पालिका प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया आज वह दीवाल गिरने से टू व्हीलर वाहन दब गए वहां पर कोई व्यक्ति होता तो दब जाता इस अवसर पर कांग्रेस पार्षद दल ने नगर पालिका प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शीघ्र जर्जर दीवारों को हटाने का मांग की गई और साथ ही मृतक परिवार को ?400000 दिलाए जाने की मांग की गई एवं मुआवजे की मांग की गई और गाड़ियों की क्षति होने पर मुआवजे कीमांग की साथ ही नगर के अलग-अलग वार्डों में क्षतिग्रस्त भवन वृद्धा पेड़ एवं कुआं बावड़ियों की साफ सफाई के साथ उनकी मरम्मत कर जाली लगाने की मांग की गई नगर के आने के हिस्सों में नए घुड़े बनाए गए उनको भी हटाए जाने की मांग की गई इस अवसर पर मुख्य रूप से कांग्रेस पार्षद दल के सभी पार्षद गण उपस्थित थे।

धार के गंजीखाना स्थित विजय श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में चल रही भागवत कथा के अंतर्गत आज चौथे दिन कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया

धार धार के अति प्राचीन विजय श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर गंजी खाना में विगत 11दिसंबर 2024 से अखंड रामायण पाठ चल रहा है इसी के अंतर्गत दिनांक 31 दिसंबर से भागवत ज्ञान कथा का आयोजन भी किया जा रहा है भव्य कलश यात्रा के साथ् 31 दिसंबर से शुरू हुई भागवत कथा मैं आज चौथे दिन कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कथावाचक प. श्री कमल किशोर शर्मा द्वारा भागवत कथा का पाठ किया जा रहा है श्री कृष्ण जन्म के अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा बड़े हर्ष और उल्लास के साथ कृष्ण जन्म मनाया कथा को सुनने बड़ी संख्या में श्रद्धालु विजय श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर पहुंच रहे हैं उक्त आयोजन में संत श्री धुलदास जी महाराज व श्री श्री 1008 श्री महंत श्री शांति दास जी महाराज का सानिध्य भी भक्तों को मिल रहा है वहि प्रतिदिन रात्री 9 बजे से कथास्थल पर सुमधुर भजनो का आयोजन् भि हो रहा हे ,आपको बताते कि दिनांक 6 जनवरी को रामायण जी पाठ के समापन के साथ भागवत कथा के समापन अवसर पर विशाल संत सम्मेलन व नगर भंडारे का आयोजन भी समिति द्वारा किया जाएगा ।

धूमधाम से मनाया गया पत्रकार आकाश सावले का जन्मदिन

खरगोन कसरावद - शुक्रवार शाम पत्रकारों के बीच पत्रकार आकाश सांवले ने केक काटा। एवं मौजूद पत्रकारों ने एक दूसरे को केक खिलाकर खुशी का इजहार किया। जन्मदिन को पत्रकारों ने मिलकर सेलिब्रेट किया । इस मौके पर पत्रकार राजेश सुल्ताने, किशोर भार्गव, विशाल भमोरीया ने जन्मदिन की बधाई दी सभी पत्रकारों ने मिलकर उनके लंबी आयु , खुशहाल जीवन और उज्जवल भविष्य की ईश्वर से प्रार्थना की।

संस्था के वार्षिक उत्सव में मनमोहक प्रस्तुतियों से बच्चों ने बांधा समां

खरगोन

कसरावद - नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था सरदार वल्लभ भाई पटेल उ.मा.वि. कसरावद में उत्सव का आयोजन हुआ जिसमें छात्र/छात्राओं ने आकर्षक प्रस्तुतियां देकर देर रात्रि तक समां बांधा। नगर के अंग्रेजी माध्यम के नवीन भवन मोगांवा रोड़ में वार्षिकोत्सव परम्परा 2025 का शुभारम्भ संस्था अध्यक्ष नरेन्द पाटीदार उपाध्यक्ष डॉ. हेमेन्द्र पाटीदार, सचिव नरेन्द्र वराडीया, कोषाध्यक्ष भगवान पाटीदार, सहसचिव वैभव पाटीदार द्वारा पूजन व दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्या श्रीमति स्मिता पाटीदार ने स्वागत भाषण , संस्था प्राचार्य व्ही. के पालीवाल द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन किया जिसमे संस्था की विभिन्न उपलब्धियों से अवगत कराया कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं द्वारा देश कि विभिन्न संस्कृतियों पर आधरित साथ ही देश भक्ति से ओत प्रोत एवं योग से जुड़ी कुल 27 मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को महेंद्र पाटीदार ठेकेदार व डॉ. हेमेन्द्र पाटीदार के द्वारा सम्मानित किया गया जिसमें 10 वीं में जिले की प्रावीण्य सूची 2023-24 में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र साईं विजय जोशी, 12 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कु. साक्षी रामलाल यादव को सम्मानित किया गया। संस्था के द्वारा एम. बी. बी. एस. में चयन होने पर कु. भूमिका राजेश गांगले व सुजल सुरेन्द्र पाटीदार का माता पिता सहित सम्मान किया गया। योगासन में राज्य स्तरीय द्वितीय स्थान मिलने पर शिव महेश पाटीदार को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष नरेन्द्र पाटीदार सर ने भी संबोधित किया। साथ ही संस्था उपाध्यक्ष डॉ. हेमेन्द्र पाटीदार, कोषाध्यक्ष भगवान पाटीदार, सचिव नरेन्द्र वराड़िया, सहसचिव वैभव पाटीदार, पूर्व अध्यक्ष बालकृण आर्य, सतीश आर्य, जगन्नाथ पाटीदार, कैलाश पाटीदार, प्रकाश पाटीदार, आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विजय पटेल सर ने किया एवं आभार विजय पाटीदार सर ने व्यक्त किया।

गोठड़ा माताजी में जन कल्याण शिविर

उज्जैन

गोठडा माताजी मे मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान योजना के अंतर्गत शासन की योजनाओं की जानकारी एवम पात्र हितग्राही को योजना का लाभ मिले इस हेतु शिविर लगाया गया । पूर्व मंडल के अध्यक्ष लाल सिंह बंजारी, पूर्व मंडी के उपाध्यक्ष पर्वत सिंह सोलंकी मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पाटीदार, मंडल अध्यक्ष जयदीप सिंह सोनगरा, मंडल के उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह गजेंद्र सिंह सरपंच सरपंच संतोष मोकड़ी उपस्थित रहे शिविर में पात्र हितग्राहीयों को योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन लिए गए इस अवसर पर ग्रामीणजन एवं सरपंच सचिव एवं पंचगण उपस्थित थे ।

मोहनखेड़ा तीर्थ के समीप रेलवे स्टेशन की मांग पर जैन मुनि पीयूषचन्द्र विजय जी महाराज का प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को पत्र

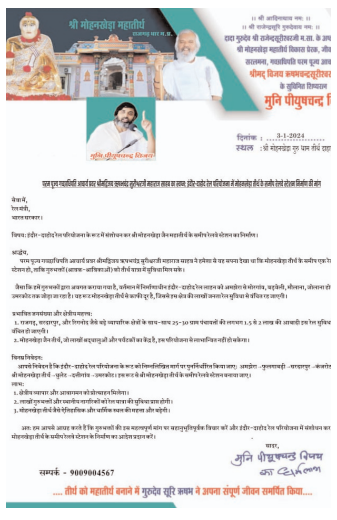

धार। श्री मोहनखेड़ा जैन तीर्थ के जैन मुनि पीयूषचन्द्र विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री को पत्र लिखकर इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के रूट में संशोधन की मांग की है। उन्होंने पत्र में परम पूज्य गच्छाधिपति मोहनखेड़ा महातीर्थ विकास प्रेरक गुरुदेव आचार्य प्रवर श्रीमद्विजय ऋषभचंद्र सुरीश्वरजी महाराज साहब के उस स्वप्न का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने मोहनखेड़ा तीर्थ के समीप रेलवे स्टेशन की कल्पना की थी। मुनि श्री ने कहा कि इससे गुरुभक्तों (श्रावक-श्राविकाओं) और तीर्थ यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने रेल लाइन को सरदारपुर होते हुए मोहनखेड़ा तीर्थ के समीप से निकालने की अपील की। मुनि श्री ने बताया कि आस्था का केंद्र मोहनखेड़ा तीर्थ है,वही दादा गुरुदेव राजेंद्रसूरीश्वरजी महाराज साहेब अभिधान राजेंद्र कोष के रचयिता थे,जैन नही अपितु हर वर्ग के गुरुभक्त देश-विदेश से दर्शनार्थ हेतु आते है,साथ इस तीर्थ पर अनेक हस्तियां आती रहती है।

संयुक्त संचालक इंदौर संभाग ने ली प्राचार्यों की बैठक

खरगोन

परीक्षा परिणाम सुधार के लिए दिये गये निर्देश ।

संयुक्त संचालक इंदौर संभाग महेश खोटे एवं जिला शिक्षा अधिकारी एस के कानुडे, अल्केश एवं सराफ द्वारा बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधार के लिए विकासखंड बड़वाह एवं कसरावद के समस्त प्राचार्यों की मीटिंग ली गई। जिसमें 30 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों के अर्द्ध वार्षिक परीक्षा परिणाम की समीक्षा कर 10वीं एवं 12वीं कक्षा के रिजल्ट में सुधार के लिए कार्ययोजना बना कर छात्रों को अभ्यास कराने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए और विषयवार प्रश्न बैंक जमा करने और स्कूलवार लक्ष्य की जानकारी ली गई। प्राचार्यों द्वारा 80 से 100 प्रतिशत तक परिणाम लाने का लक्ष्य दिया गया और शालावार शिक्षकों को जवाबदारी निर्धारित कर परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के निर्देश दिये गये। बैठक में विभाग की योजनाओं जैसे छात्रवृत्ति स्वीकृति, फेल खाते अपडेट करने, मरम्मत कार्य करने, रेमेडियल क्लास लगाने, अपार आईडी बनाने, धरती आबा की जानकारी ग्रामवार देने, ड्रॉप बाक्स के स्टूडेंट को अपडेट करने और शिक्षा गुणवत्ता के लिए हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल प्राचार्यों से 50 दिन की योजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये गये।

खरगोन के लोकनृत्य दल ने संभाग स्तर पर प्राप्त किया प्रथम स्थान

खरगोन 3 जनवरी को खेल एवं युवा कल्याण विभाग इंदौर द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय युवा उत्सव में खरगोन की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और समूह लोकनृत्य विधा में प्रथम स्थान हासिल किया। वही समूह लोकगायन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन में 8 जिलों की टीमों ने भाग लिया था। जिला खेल अधिकारी पवि दुबे कहा कि यह जीत न केवल खरगोन की टीम की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम है, बल्कि यह संभाग के युवाओं की सांस्कृतिक और कलात्मक क्षमताओं का भी प्रदर्शन है।खरगोन ब्लॉक समनव्यक जितेंद्र हिरवे ने कहा आयोजन का उद्देश्य युवाओं को उनकी प्रतिभा और क्षमताओं का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करना व युवाओं को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और समाज में सकारात्मक योगदान करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। संभाग स्तरीय युवा उत्सव में लोकनृत्य में प्रथम स्थान खरगोन की टीम ने प्राप्त किया एवं इस टीम के सदस्य अनिल सोलंकी, आयुष डावर, शुभम यादव लक्की मंडलोई, लंकेश देवले, संवेदना पंढाणे, नंदिनी नार्वे, ईषिका आर्शे, शिवानी यादव, उन्नति पटेल, रानु पटेल, सावन धनगर, गीतेश भालेकर थे। जबकि पेंटिंग में अंनिशा पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम की जीत पर जिला प्रशासन एवं खेल विभाग के ब्लाक समन्वयक भानुप्रताप दशोधि, पंकज बर्डे, स्वाति शर्मा आदि ने हर्ष व्यक्त किया और बधाई दी।

धर्म के रूष्ट मनुष्य धन का कर रहा अपव्यय

उज्जैन

आक्या छप्पन भोग कार्यक्रम में बोले कथा वाचक श्रीउपाध्याय

आज के जमाने में मनुष्य धर्म से रुष्ट होकर अन्य खर्चों में अपना धन जल की तरह प्रवाहित करने लगा है इसके कई दुष्परिणाम देखने को मिलते हैं । अगर वही धन को परमात्मा के कार्यों में दान किया जाए तो उससे जीवन में यश और वैभव की प्राप्ति होती हैं इसके साथ ही परमात्मा के प्रति लगाव होता है यह बात आक्याजागीर के श्री राम मंदिर पर श्री श्री 1008 श्री बाबा गंगादास जी महाराज की पुण्य तिथि पर चल रही राधा रानी जीवंत कथा में पंडित रविराज उपाध्याय ने कही । इस पुण्यतिथि पर श्री राम मंदिर के पुजारी अवधबिहारीदास जी महाराज द्वारा गंगादास जी महाराज की समाधि का पूजन किया गया और 56 प्रकार के पकवान बनाकर श्री राम दरबार में भोग लगाया गया । कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए सभी ने भगवान श्री राम के दिव्य दर्शन का लाभ लिया और भोजन प्रसादी ग्रहण की। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के अनेक स्थानों से साधु संतों का आगमन हुआ इसके साथ ही कार्यक्रम में पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत, खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मोती सिंह शेखावत, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह सोलंकी, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पाटीदार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहनलाल धाकड़ सहित कई गणमान्य नागरिक शामिल हुए सभी ने मंच पर पोथी का पूजन भी किया ।

समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है हमारी सरकार - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

विदिशा

हर खेत में पानी आने से बदलेगी किसान की जिंदगानी

कृषि, पशुपालन, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में विकास

क्षेत्र में रेलवे लाइन के लिए किए जाएंगे विशेष प्रयास

आनंदपुर में खुलेगा शासकीय महाविद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लटेरी, विदिशा में किया 132 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण, भूमि पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में सर्वश्रेष्ठ देश बनने की ओर अग्रसर है। हमारी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। युवा, गरीब, किसान और महिलाएं हमारी विशेष प्राथमिकता है। मध्य प्रदेश तेज गति से देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनने के लिए कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज लटेरी, विदिशा में विकास कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास कार्यक्रम में विशाल जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने क्षेत्र के लिए 132 करोड रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पणध् शिलान्यास किया, इनमें 80 करोड़ 16 लाख रुपए के 54 विकास कार्यों का भूमि पूजन और 51 करोड़ 96 लाख रुपए के 198 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हित लाभ भी वितरित किए। कार्यक्रम में विदिशा जिले में 505 हेक्टेयर चरनोई की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किए जाने पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि आधुनिक युग के भागीरथ हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से केन बेतवा और पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश को दो बड़ी सिंचाई परियोजनाएं मिली हैं। इससे न केवल बुंदेलखंड अपितु मालवा और चंबल क्षेत्र में भी बड़े क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल सुविधा मिलेगी। इस क्षेत्र के भी 360 गांव को जल उपलब्ध होगा। हमारा लक्ष्य है हर किसान के खेत में पानी पहुंचाना। हर खेत में पानी आने से किसान की जिंदगानी बदलेगी। कृषि उत्पादन में हम पंजाब, हरियाणा को भी पीछे छोड़ने वाले हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि वे अपनी जमीन बिल्कुल भी न बेचें। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि कृषि, पशुपालन, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में प्रदेश में तेज गति से विकास हो रहा है। हर गरीब को पक्का मकान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी संकल्पित हैं। आयुष्मान भारत योजना में 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त है। उद्योग और रोजगार बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उज्जैन, सागर, रीवा, जबलपुर और ग्वालियर में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में करोड़ों के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। युवा वर्ग के लिए सरकार शीघ्र ही एक लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में लगभग 3 लाख पदों पर भर्ती करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि शिक्षा की महत्ता को हमेशा याद रखें। बच्चों को अच्छी शिक्षा दें, शिक्षा की सारी व्यवस्था सरकार कर रही है। प्रदेश के 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस स्कूल खोले जा रहे हैं। गरीबों को परिवहन की अच्छी सुविधा देने के लिए सरकार मध्य प्रदेश राज्य परिवहन को दोबारा प्रारंभ करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन को भी सरकार बढ़ावा दे रही है। जो गाय पाले वही गोपाल है तथा जहां गाय का कुल हो वही गोकुल है। सरकार दुग्ध उत्पादन पर बोनस देने वाली है तथा 10 से अधिक गाय पालने पर अनुदान दिया जाएगा। प्रदेश में बड़ी संख्या में गौशालाएं बनाई जा रही हैं। प्रदेश की धरती पर जहां-जहां भगवान श्री कृष्ण आए थे, उन सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। उज्जैन में संदीपनी आश्रम में भगवान श्री कृष्ण ने शिक्षा ग्रहण की, जानापाव में उन्हें सुदर्शन चक्र मिला। कृष्ण और सुदामा की दोस्ती का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि सच्ची दोस्ती वही है जब मित्र दोस्त की उसके सामने नहीं बल्कि पीछे से सहायता करे।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए भी कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के माध्यम से क्षेत्र में रेलवे लाइन के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आनंदपुर में शासकीय महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा भी की। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने कहा कि सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रयासों से प्रदेश में देश की दो नदी जोड़ो परियोजनाएं, जिनका कार्य गत 20 वर्ष से अटका हुआ था, प्रारंभ हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव किसानों के मसीहा बनकर कार्य कर रहे हैं। हमारा संकल्प पूरे प्रदेश को सिंचित करना है। हर किसान के क्षेत्र में पानी पहुंचाकर ही हम दम लेंगे। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने भी संबोधन दिया। विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने अपने उद्बोधन में क्षेत्र के विकास के लिए कई मांगे रखीं। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विधायक श्री मुकेश टंडन, श्री हरि सिंह सप्रे, श्री हरि सिंह रघुवंशी, श्री सूर्य प्रकाश मीणा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, जनप्रतिनिधि गण भोपाल संभागायुक्त श्री संजीव सिंह, भोपाल आईजी श्री अभय सिंह, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर सहित अन्य विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में जन समुदाय उपस्थित था।131.9751 करोड़ की लागत के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन, लोकार्पण एवं हितलाभ वितरण - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से सिरोंज लटेरी क्षेत्र को विभिन्न विभागों के 131.9751 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया। साथ ही साथ उन्होंने मौके पर मंच से ही 101 हितग्राहियों को हित लाभ का वितरण भी किया है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समाधान ऑनलाइन में सुनी नागरिकों की समस्याएं, निराकृत हुए लंबित प्रकरण

योजनाओं की राशि छात्रवृत्ति और राजस्व प्रकरणों में मिली नागरिकों को राहत

नर्मदापुरम

शिविर आयोजित करने में नर्मदापुरम जिला टॉप फाइव में

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में कहां कि नागरिकों की समस्याएं लंबे समय तक लंबित रखने वाले दोषी अधिकारी कर्मचारी दंडित किए जाएंगे। आम जन का कल्याण ही राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। राजस्व, छात्रवृत्ति वितरण सहित अन्य योजनाओं की स्वीकृति और योजनाओं की राशि वितरण संबंधी कोई भी कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान ऑनलाइन में विभिन्न जिलों के नागरिकों के लंबित प्रकरण में समाधान करवाया इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने सीएम हेल्पलाइन में उल्लेखित शिकायतों की निराकरण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों और सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के अंतर्गत सर्वाधिक शिविर लगाने में नर्मदापुरम जिला टॉप फाइव में रहा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने नर्मदापुरम जिले एवं सभी जिलों को बधाई दी। उल्लेखनीय की नर्मदापुरम जिले में 566 शिविर आयोजित किए जाने थे जिनमें अब तक 563 शिविर आयोजित किये जा चुके हैं। मात्र तीन शिविर शेष हैं जो उपलब्धि का 99.5 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने श्रेष्ठ कार्य करने वाले और उच्च प्रदर्शन करने वाले विभागों जैसे ऊर्जा, नगरी विकास, महिला एवं बाल विकास, पंचायत ग्रामीण विकास एवं गृह विभाग शामिल है। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण अधिकारी करें। जनकल्याण के कार्य को गति देने के लिए अभियान चल रहा है। आगामी 26 जनवरी तक घर-घर जाकर नागरिकों को योजनाओं से लाभान्वित करने का अभियान गत 11 दिसंबर से संचालित है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की गतिविधियां 26 जनवरी तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि राजस्व से संबंधित कार्य पूरी प्रक्रिया के साथ पूर्ण हो। उदाहरण के लिए बटवारा आदेश ही पर्याप्त नहीं है उसे नक्शे में दर्शाना भी आवश्यक है। नामांतरण और सीमांकन के कार्य में भी पूर्ण प्रक्रिया कर कार्य किए जाएं।

स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश को महत्वपूर्ण स्थान बनाना है मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने विद्यार्थियों के हित में प्रमुख सुविधाओं को प्रदान करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि साइकिल वितरण, गणवेश, किताब, छात्रवृत्ति एवं छात्रावास की सुविधा एवं छात्रावास ना उपलब्ध होने पर किराए पर लिए गए कक्ष का किराया दिलवाने का कार्य भी किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि अभियान चला कर पारदर्शिता और सुचिता के साथ स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाए। शालाओं में नामांकन बढ़ाने के लिए भी अभियान चलाएं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश आगे रहा था, अभी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में और प्रयास करने की आवश्यकता है। परीक्षा प्रणाली, टास्क फॉर समिति की बैठक, भवन विहीन स्कूलों में व्यवस्थाएं आदि की शीघ्र ही विस्तृत समीक्षा की जाएगी। डॉक्टर यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा में जीईआर में मध्य प्रदेश आगे आया था। इस तरह स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति आवश्यक है। विद्यार्थियों के लिए श्रेष्ठ शिक्षकों के व्याख्यान ई माध्यम से उपलब्ध कराने जाने पर भी ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नामांकन में मध्य प्रदेश को प्रथम पांच राज्यों में लाने के प्रयास हो। आयुक्त कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कमिशनर श्री के जी तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक श्री मिथिलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी श्री प्रशांत खरे, संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी श्री दोहर सहित संभागीय अधिकारी गण उपस्थित थे। वहीं कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरुकरण सिंह सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

सिंहस्थ के तहत जो भी निर्माण कार्य किए जाने हैं उन्हें गूगल मेप पर टेग किया जाए

सोशल मीडिया के माध्यम से सिंहस्थ 2028 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए - प्रमुख सचिव श्री शुक्ला

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा की

उज्जैन,। शनिवार को मध्यप्रदेश शासन के नगरीय आवास एवं विकास प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला ने प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने पॉवरपॉइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से सिंहस्थ में होने वाले प्रस्तावित व प्रचलित नगर विकास कार्यों और स्वीकृत निर्माण कार्यों की जानकारी दी तथा जिन विभागों के अंतर्गत निर्माण कार्य किए जाने हैं उनके बारे में विस्तार से बताया। श्री शुक्ला ने बैठक में निर्देश दिए कि ऐसे निर्माण कार्य जिनमें स्वीकृति प्राप्त हो गई है उनकी सूची अलग से बनाई जाए। सिंहस्थ के निर्माण कार्यों में समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण कार्यों की अलग-अलग कैटेगरी बनाई जाए। जो भी निर्माण कार्य किए जाने हैं उन्हें गूगल मेप पर टेग अवश्य किया जाए। प्रमुख सचिव के द्वारा सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत बनाए जाने वाले मार्ग, पार्किंग, पुराने मार्गों का चौड़ीकरण, आरओबी, ब्रिज, रेलवे लाईन आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ का नियंत्रण कक्ष ऐसे स्थान पर बनाया जाए जहां अधिक घनत्व न हो। सिंहस्थ महापर्व की उचित ब्रांडिंग की जाए। इसका अधिक से अधिक सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि युवा वर्ग इससे अधिक से अधिक जुड़ सके। प्रमुख सचिव के द्वारा पीडब्ल्यूडी, पीआईयू, हाउसिंग बोर्ड, यूडीए, स्मार्ट सिटी, नगर निगम के अंतर्गत निर्मित होने वाले कार्यों और परियोजनाओं के बारे में समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि यूनिटी मॉल का निर्माण तेज गति से किया जाए। इसके अतिरिक्त जिन कार्यों में औपचारिकताएं शेष है तथा शासन से जो अपेक्षाएं है उनके बारे में पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाए। बैठक में संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री संदीप शिवा, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

अयोध्या बस्ती के निवासीगण हेतु ग्राम रक्षा समिति सम्मेलन का आध्यात्मिक व सामाजिक पुनरुत्थान कार्यक्रम

झाबुआ बुनियादी स्कूल प्रांगण में अयोध्या बस्ती के निवासीगण हेतु ग्राम रक्षा समिति सम्मेलन का आध्यात्मिक व सामाजिक पुनरुत्थान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम मुख्य वक्ता मोटिवेशनल स्पीकर प्रोफेसर डॉ. प्रभु नारायण मिश्र, पूर्व डीन ड्डरू इंदौर, पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉक्टर प्रभु नारायण मिश्रा द्वारा उपस्थित आमजन को आध्यात्मिक बातों एवं महाभारत व श्रीमद् भागवत गीता और महापुरूषों के उदाहरण देकर उनकी विकट परिस्थितियों की चर्चा करते हुए उनके द्वारा दिये गये मूल-मंत्रों के बारे में जानकारी दी गई। आप इन महापुरूषों के द्वारा दिये गये मूल मंत्रों को अनुग्रहित कर आत्मसंयम करते हुए नशे का सेवन करने से मुक्त हो सकते है। यदि कोई नशा करना ही है तो परोपकार का नशा पाल लिजिये, लोगो की सेवा करने का नशा पाल लिजिये। यदि आपने सेवा व परोपकार का नशा करना शुरू किया तो आप आदरणीय व महान हो जायेंगे।अयोध्या बस्ती में निवासरत परिवारों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया कि इसका सेवन करने से तुम बिमार हो जाओगे, गंभीर बीमारियां से ग्रसित हो जाओगे और फिर इसका इलाज करवाने जाओगे तो उसका इतना पैसा लगेगा कि तुम अपना सबकुछ बेचकर भी इलाज नहीं करवा पाओगे। इसके दुष्परिणों के बारे में आपको सोचना चाहिये व किसी भी तरिके के नशे के सेवन को करने से बचना चाहिये। नशा एक जहर है। नशा एक धीमी गति का जहर है जो कि आपको तुरंत नहीं मारता। यह धीरे-धीरे आपको किसी काम का नहीं छोड़ता है। डॉक्टर प्रभु नारायण मिश्रा द्वारा उपस्थित सभी आमजन को प्रतिज्ञा दिलवाई कि मै ईश्वर को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करता हु कि मैं आज से, अभी से, इसी पल से मैं किसी भी मादक पदार्थ का सेवन नहीं करूंगा। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा अयोध्या बस्ती के लोगों को नशे के दुष्परिणाम (नशा आपको ही नही आपकी पिढियों को बर्बाद कर रहा है) बताते हुए नशा छोड़ने की समझाईश दी गई। साथ ही बच्चों को अच्छी शिक्षा हेतु प्रेरित किया गया। प्लास्टिक के उपयोग से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु बताया गया एवं अयोध्या बस्ती को नशा एवं अपराध मुक्त बनाने हेतु बताया गया। साइबर सेल प्रभारी निरी. दिलीप मौर्य द्वारा वर्तमान में प्रचलित साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी कि डिजिटल अरेस्ट जैसे कोई चीज नहीं होती है। अनजान नंबर से आए फोन कॉल पर विश्वास न करे, किसी भी अनजान व्यक्ति से कोई गोपनीय कोड अथवा ओटीपी साझा न करे और ऐसे फोन कॉल की तत्काल पुलिस को सूचना देवे। साथ ही थोड़े पैसों के लालच में अपने नाम की सिम व बैंक खाता खोलकर किसी अन्य व्यक्ति को ना दे। थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक राजू सिंह बघेल द्वारा यातायात नियमों का पालन करने के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यदि आप वाहन चलते समय हेलमेट का उपयोग करेंगे तो गंभीर दुर्घटना से होने वाले नुकसान से बच सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में उप पुलिस अधीक्षक कमलेश शर्मा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं समस्त श्रोतागणों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी झाबुआ रूपरेखा यादव, डीएसपी कमलेश शर्मा, डीएसपी गिरीश कुमार जेजूरकर, थाना प्रभारी झाबुआ निरीक्षक आरसी भास्करे, साइबर सेल प्रभारी निरी. दिलीप मौर्य, थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक राजू सिंह बघेल एवं रक्षा सखी उनि अनिता तोमर एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

अफगानिस्तान में तीसरे दिन भी महसूस किए गए भूकंप के झटके, लोगों में दहशत

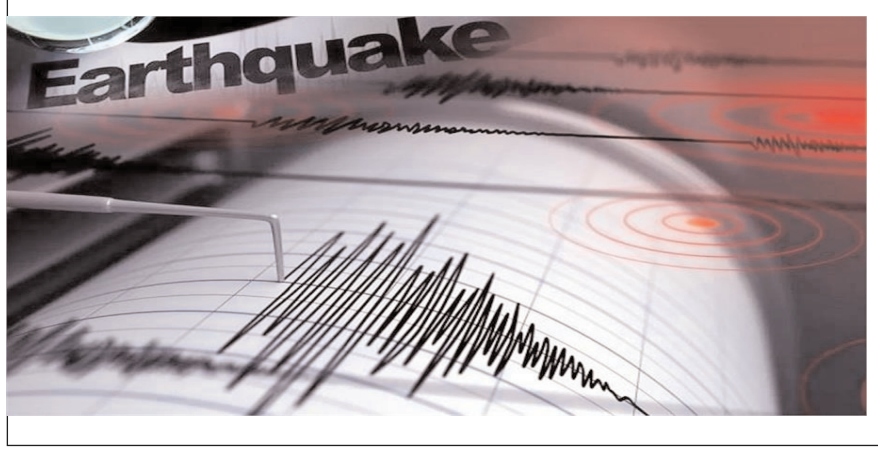

इंटरनेशनल डेस्क। अफगानिस्तान में आज सुबह फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह भूकंप करीब साढ़े पांच बजे आया और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र 170 किलोमीटर की गहराई में था। हालांकि इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है लेकिन पिछले कुछ दिनों से अफगानिस्तान में लगातार भूकंप के झटके लोगों में डर और चिंता का कारण बन रहे हैं।

इससे पहले 27 दिसंबर को भी अफगानिस्तान में भूकंप आया था। उस समय झटके फैजाबाद जिले के पास महसूस किए गए थे और उनकी तीव्रता 4.1 मापी गई थी। इसके अलावा 17 अक्टूबर को भी अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया था जिसका केंद्र 181 किलोमीटर गहरे धरती के अंदर था। इन लगातार भूकंपों ने अफगानिस्तान के लोगों को परेशान कर दिया है।

इथियोपिया और चिली में भी आए भूकंप

इथियोपिया और चिली में भी हाल ही में भूकंप के झटके महसूस किए गए। शनिवार को इथियोपिया में भूकंप आया जिसकी तीव्रता 5.5 रही और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। इसके बाद माउंट डोफन के आसपास ज्वालामुखी विस्फोट होने का अलर्ट जारी किया गया था। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया था। वहीं शुक्रवार को चिली के एंटोफगास्टा शहर में भी भूकंप आया था जिसकी तीव्रता 6.1 थी और इसका केंद्र 104 किलोमीटर गहरे धरती के अंदर था। चिली में आए भूकंप के बाद आफ्टरशॉक्स आने की आशंका जताई गई है। पाकिस्तान में भी शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए थे जिसकी तीव्रता 4.3 थी और इसका केंद्र 77 किलोमीटर गहरी धरती के नीचे था। वहीं दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इन प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोगों को सतर्क रहने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी जा रही है।

चीन के बांधों को लेकर भारत और अमेरिका की बढ़ी चिंताए

ड्रैगन को निपटाने की तैयारी

नेशनल डेस्क. चीन की ओर से लगातार ऊंचे स्थानों पर बांध बनाए जाने से भारत और अमेरिका दोनों की परेशानियाँ बढ़ रही हैं। अब अमेरिका भी इस मामले में दखल दे रहा है। चीन के बांधों का असर भारत और एशिया के अन्य देशों पर पड़ने के कारण अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (ह्स्र) जैक सुलिवन जनवरी में दिल्ली आकर इस मुद्दे पर भारत से चर्चा कर सकते हैं।

जैक सुलिवन 5-6 जनवरी को भारत दौरे पर आ रहे हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इस दौरे के दौरान सुलिवन और भारतीय अधिकारियों के बीच चीन के बांधों और उनके प्रभाव पर बात हो सकती है। इस बारे में चर्चा की उम्मीद है क्योंकि वॉशिंगटन और उसके सहयोगी देश भारत को चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एक महत्वपूर्ण शक्ति मानते हैं।

अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चीन के ऊपरी इलाके में बने बांध, जैसे कि मेकोंग क्षेत्र में, निचले देशों के लिए पर्यावरण और जलवायु पर गंभीर असर डाल सकते हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि इस दौरे के दौरान इन मुद्दों पर भी बात की जाएगी, जिनसे भारत जूझ रहा है। इससे पहले, भारत ने चीन की योजना पर प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक बड़ा बांध बनाने का प्रस्ताव है। भारत ने कहा है कि वह इस पर नजर रखेगा और सुनिश्चित करेगा कि इस बांध से उसके हितों पर कोई असर न पड़े। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि इस यात्रा के दौरान नागरिक परमाणु सहयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष, सैन्य लाइसेंसिंग और चीन की आर्थिक नीति पर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि, इस दौरान अमेरिकी अधिकारी दलाई लामा से नहीं मिलेंगे।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं, लेकिन कुछ मुद्दों पर मतभेद भी सामने आए हैं, जैसे कि अल्पसंख्यकों के अधिकार, रूस के साथ भारत के रिश्ते और सिख अलगाववादियों से जुड़ी साजिशें।

मालदीव के बदले सुर !

चीन ने बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को खारिज किया

इंटरनेशनल डेस्क। मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील हाल ही में तीन दिवसीय भारत दौरे पर आए। इस दौरान उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से नई दिल्ली में मुलाकात की, जहां दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। इस बैठक में आर्थिक, समुद्री सुरक्षा और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक रूपरेखा पर भी हस्ताक्षर किए गए।

भारत और मालदीव के रिश्ते पहले कुछ समय तक तनावपूर्ण रहे थे, लेकिन अब दोनों देशों के संबंधों में महत्वपूर्ण सुधार देखा जा रहा है। इस संबंध में मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा कि भारत हमेशा हमारे साथ खड़ा रहा है। उन्होंने भारत की मदद का आभार व्यक्त करते हुए इस बात को सामने लाया कि भारतीय सरकार ने मालदीव के विकास और सुरक्षा के लिए हमेशा अपना समर्थन दिया है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस मौके पर कहा कि भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा है और यह देश भारत की पड़ोसी पहले नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जयशंकर ने कहा, हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साझेदारी को बढ़ाया है और भारत की प्राथमिकता हमेशा मालदीव और अन्य पड़ोसी देशों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करना है। बैठक के दौरान, भारत और मालदीव ने सीमा पार व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक रूपरेखा पर सहमति जताई। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार को और बढ़ावा देना और मुद्रा विनिमय में आसानी लाना है, जिससे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को और गहरा किया जा सके।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़ु ने अक्टूबर 2024 में भारत का दौरा किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के संबंधों में स्पष्ट रूप से सुधार आया है। इस दौरे के दौरान मुइज़ु ने भारत के प्रति अपने आभार का इज़हार किया और भारत की मदद के लिए धन्यवाद दिया। भारत ने मालदीव को 50 मिलियन डॉलर की सहायता की समय सीमा बढ़ाई थी, जिसका मुइज़ु ने स्वागत किया और भारत को सचा दोस्त बताया। भारत और मालदीव के बीच द्विपक्षीय संबंध अब कई प्रमुख क्षेत्रों में विस्तारित हो रहे हैं। ये क्षेत्र व्यापार, निवेश, समुद्री सुरक्षा, और पर्यावरण संरक्षण शामिल हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग समुद्री सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि मालदीव हिंद महासागर में स्थित एक महत्वपूर्ण सामरिक स्थान है।

दोनों देशों के बीच सहयोग से समुद्री मार्गों की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई को बढ़ावा मिलेगा। भारत और मालदीव के रिश्तों में सुधार और साझेदारी का यह नया दौर दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित होगा। यह केवल आर्थिक और सुरक्षा के दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और जनसांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत करेगा। भारत ने मालदीव को विभिन्न विकास परियोजनाओं में सहायता दी है, जैसे कि बुनियादी ढांचे का विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को समर्थन देना।

नहीं रही दुनिया की सबसे उम्रदराज महिला

116 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

इंटरनेशनल डेस्क. जापान की 116 वर्षीय महिला टोमिको इटूका का निधन 4 जनवरी 2025 को हुआ। पिछले साल सितंबर में उन्हें ब्रिटेन के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला के रूप में मान्यता दी थी। इटूका लंबे समय से बीमार थीं, और नर्सिंग होम में भर्ती थीं। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय और अन्य अधिकारियों ने उनके निधन की पुष्टि की है।

इटूका का निधन पश्चिमी जापान के ह्योगो प्रांत के आशिया शहर स्थित नर्सिंग होम में हुआ, जहां वह काफी समय से रह रही थीं। उनके निधन के समय यह सुबह के 9:03 बजे का वक्त था। टोमिको इटूका का जन्म 23 मई, 1908 को ओसाका में हुआ था। वह तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। नर्सिंग होम में रहते हुए वह अक्सर अपनी पसंदीदा लैक्टिक एसिड पीने का आनंद लेती थीं और कर्मचारियों को धन्यवाद भी देती थीं।

आशिया के मेयर ने जताया दुख आशिया के मेयर, रयोसुके ताकाशिमा ने इटूका की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इटूका ने अपने लंबे जीवन के दौरान हमें बहुत साहस और आशा दी। हम सभी उनकी याद करेंगे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम

इटूका को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति के रूप में दर्ज किया गया था। इससे पहले, दिसंबर 2023 में, जापान की 116 वर्षीय फुसा तात्सुमी की मृत्यु हो गई थी, और तब इटूका ने जापान में सबसे बुजुर्ग जीवित व्यक्ति होने का रिकॉर्ड हासिल किया था।

इटूका का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में 2024 में दर्ज हुआ था, जब स्पेन की 117 वर्षीय महिला, मारिया ब्रान्यास मोरेरा के निधन के बाद उनका नाम सबसे बुजुर्ग महिला के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। इटूका की मृत्यु जापान के लिए एक बड़ी क्षति है, क्योंकि उन्होंने अपनी लंबी उम्र के दौरान सभी को जीवन की ताकत और उम्मीद की मिसाल दी।

अब 40 मिनट में तय होगा दिल्ली से मेरठ तक का सफर

आज पीएम मोदी नमो भारत ट्रेन का करेंगे उद्घाटन

नेशनल डेस्क. दिल्ली से मेरठ की दूरी अब और भी कम समय में पूरी की जा सकेगी। पहले यह सफर करीब 1.5 घंटे में पूरा होता था, लेकिन अब रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के जरिए केवल 40 मिनट में सफर पूरा होगा। इस सेवा को नमो भारत ट्रेन के नाम से जाना जाता है।

नई सेवा की शुरुआत

पहले 2023 में शुरू हुई त्रक्स्र ट्रेन सेवा केवल मेरठ और गाजियाबाद के बीच उपलब्ध थी। लेकिन अब यह सेवा दिल्ली तक पहुंच गई है। दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ तक ट्रेन चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 जनवरी को इस नए रूट का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के बाद शाम 5 बजे से यह सेवा जनता के लिए शुरू हो जाएगी।

नमो भारत ट्रेन में दो तरह के कोच स्टैंडर्ड और प्रीमियम उपलब्ध हैं। स्टैंडर्ड कोच का किराया 150 रुपए होगा और प्रीमियम कोच का किराया 225 रुपए होगा। स्टैंडर्ड कोच में किराया 20 रुपए से शुरू होगा। वहीं प्रीमियम कोच में शुरुआती किराया 30 रुपये होगा।

स्टेशनों और रूट की जानकारी

साहिबाबाद से मेरठ साउथ के बीच 42 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर में कुल 9 स्टेशन हैं। अब दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक 55 किलोमीटर का पूरा रूट बन गया है, जिसमें कुल 11 स्टेशन होंगे।

यात्रा का समय और सुविधा

यह ट्रेन हर 15 मिनट में उपलब्ध होगी, जिससे यात्रियों को यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस ट्रेन से सफर तेज और आरामदायक होगा, जिससे लोगों का समय बचेगा।

परियोजना की लागत

दिल्ली सरकार ने इस प्रोजेक्ट में 1,260 करोड़ रुपए का योगदान दिया है। मुख्यमंत्री आतिशी ने बताया कि इस योजना से यात्रा का समय कम होने के साथ-साथ आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली मेट्रो के नए कोरिडोर

इस प्रोजेक्ट के अलावा दिल्ली मेट्रो के फेज-4 में तीन नए कोरिडोर भी शुरू किए जाएंगे- रिठाला से कुंडली कॉरिडोर का शिलान्यास।

जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन का उद्घाटन।

साहिबाबाद से मेरठ साउथ के 42 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर की शुरुआत।

'रोजाना कट रही 50 हजार गायें, अधिकारी खा रहे पैसा', भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर का बड़ा बयान

नेशनल डेस्क: उत्तर प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल द्वारा अपनी ही सरकार की पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) से खुद की जान का खतरा बताए जाने के बाद अब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नंद किशोर गुर्जर ने शनिवार को राज्य के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधते हुए अपनी हत्या की आशंका जताई है।

इस बीच मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को इस संबंध में दावा किया कि किसी भाजपाई मंत्री के या किसी भाजपाई विधायक के ही कंधे पर बंदूक रखकर, कोई भाजपाई ही कहीं दूर से निशाना साध रहा है। गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र के भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने शनिवार को अपनी हत्या की आशंका जताई है और आरोप लगाया है कि अधिकारी उनकी हत्या की साजिश रच सकते हैं।

उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया, हमारी सरकार में रोजाना 50,000 गायें कट रही है। ये अधिकारी गायों के लिए दिए जाने वाले फंड को हड़प रहे हैं। भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने कहा , मुख्य सचिव इस सब के पीछे हैं। मेरी हत्या की योजना पहले ही बना ली गयी है, इसके लिए नौ एमएम कैलिबर की 25 पिस्तौलें खरीदी गई हैं। उनका एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें उनको यह आरोप लगाते सुना जा सकता है। हालांकि वह यह भी कहते हैं कि मुख्य सचिव या पुलिस आयुक्त से उनका कोई निजी बैर नहीं है। मीडिया से बात करते हुए विधायक ने कहा, मेरे पास हथियार खरीदने के सबूत हैं और सही समय पर इसे सार्वजनिक करूंगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, अधिकारी भाजपा विधायकों और पार्टी नेताओं की समस्याएं नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि अधिकारी ईमानदार मुख्यमंत्री के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। गुर्जर ने कहा, दो दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें लोनी में दो पुलिस हेड कांस्टेबल एक पीड़ित से पैसे वसूलते हुए दिखाई दे रहे थे। कुछ अधिकारी सपा और कांग्रेस नेताओं से मिले हुए हैं। अगर भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तो भाजपा आगामी चुनाव में 375 सीट जीतेंगी। अन्यथा भाजपा के उम्मीदवार चुनाव में अपनी जमापूंजी गवां देंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को एक्स एक पोस्ट में विधायक गुर्जर के आरोपों का वीडियो साझा करते हुए लिखा, उप्र भाजपा सरकार में दो राजधानियों (दिल्ली-लखनऊ) के बीच आपस में ही आरोपों की तलवारें खिंचीं हैं। यादव ने दावा किया, किसी भाजपाई मंत्री के या किसी भाजपाई विधायक के ही कंधे पर बंदूक रखकर, कोई भाजपाई ही कहीं दूर से निशाना साध रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, सत्ता की इस रस्साकशी में जनता और सरकारी कामकाज पिस रहा है। अधिकारी इसमें अपनी रोटी सेंक रहे हैं। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया, दरअसल यह जो लड़ाई है, उसका कारण भ्रष्टाचार की कमाई है, जिस पर सब एकाधिकार जमाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में प्राविधिक शिक्षा, उपभोक?ता संरक्षण एवं बाट माप मंत्री आशीष पटेल ने हाल में विशेष कार्यबल (एसटीएफ) से अपनी जान का खतरा बताया था। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अपना दल (एस) कोटे के मंत्री पटेल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह हटाए जाने के लिए तैयार हैं, लेकिन वह इस्तीफा नहीं देंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569